वर्ष-14 - अंक 113
पृष्ट-08 मूल्य : 01 रुपया

सीतापुर
शनिवार,01 अगस्त 2026

RNIÐNoÐ UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhatÐco

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

लखनऊ में भिड़ेंगी आठ टीमें, यूपी प्रो हैंडबॉल लीग 3

सामूहिक विवाह योजना से गरीब परिवारों को सहारा..... 4

इलाहाबाद हाईकोर्ट की यूपी पुलिस को फटकार 08

कुलगाम में आतंकियों की टारगेट किलिंग, छत्तीसगढ़ के मजदूर की मौत

फायरिंग में एक श्रमिक गंभीर घायल, सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन तेज; उपराज्यपाल ने आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के दिए निर्देश

श्रीनगर(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के दक्षिण कश्मीर स्थित कुलगाम जिले में शुक्रवार शाम आतंकियों ने एक बार फिर गैर-स्थानीय मजदूरों को निशाना बनाते हुए टारगेट किलिंग की वारदात को अंजाम दिया। केल्लम क्षेत्र में आतंकियों की अंधाधुंध फायरिंग में छत्तीसगढ़ निवासी एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सुरक्षाबलों ने तत्काल क्षेत्र की घेराबंदी कर व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मृतक की पहचान दीपक और घायल की पहचान भूपेंद्र के रूप में हुई है। दोनों छत्तीसगढ़ के निवासी थे और कुलगाम में मजदूरी का कार्य कर रहे थे। हमले के बाद दोनों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने दीपक को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल भूपेंद्र को बेहतर इलाज के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी), अनंतनाग रेफर किया गया है। घटना ऐसे समय हुई है जब घाटी में गैर-स्थानीय श्रमिकों को लेकर सुरक्षा

एजेंसियां पहले से सतर्क थीं। हाल के दिनों में प्रवासी मजदूरों को धमकियां मिलने और उन पर हमलों की घटनाओं के बाद दक्षिण कश्मीर के कई इलाकों में निगरानी बढ़ाई गई थी तथा अतिरिक्त सुरक्षा चौकियां स्थापित की गई थीं। हमले की सूचना मिलते ही जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और अर्द्धसैनिक बलों की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेरकर आतंकियों की तलाश शुरू कर दी। वरिष्ठ पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा कर अभियान की निगरानी की। आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं ताकि हमलावरों को भागने का मौका न मिले। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि आतंकियों का उद्देश्य घाटी में काम कर रहे बाहरी मजदूरों के बीच भय का माहौल पैदा करना और क्षेत्र में सामान्य स्थिति एवं विकास कार्यों को प्रभावित करना है। हाल के वर्षों में आतंकी संगठन प्रवासी श्रमिकों, अल्पसंख्यक समुदाय और निहत्थे नागरिकों को निशाना बनाकर ऐसी घटनाओं को अंजाम देते रहे हैं। इससे पहले 22 जुलाई 2026 को अनंतनाग के लाल चौक क्षेत्र में आतंकियों ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा में तैनात जम्मू-कश्मीर पुलिस के हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उस हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। कुलगाम हमले के बाद उपराज्यपाल ने पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और अन्य वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। उन्होंने छत्तीसगढ़ के मजदूर की हत्या पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए हमले की कड़ी निंदा की और आतंकियों के खिलाफ अभियान तेज करने के निर्देश दिए। उपराज्यपाल ने कहा कि हमले में शामिल आतंकियों को जल्द से जल्द ढेर किया जाए और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा न जाए। उन्होंने मृतक के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायल मजदूर के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सुरक्षा एजेंसियां पूरे इलाके में तलाशी अभियान जारी रखे हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि आतंकियों की तलाश के लिए सभी संभावित ठिकानों पर सघन अभियान चलाया जा रहा है और जल्द ही हमलावरों को पकड़ने या मार गिराने की कार्रवाई की जाएगी।

आपातकाल पर नया सियासी विवाद

जयराम रमेश ने सभापति को सौंपे दस्तावेज

नई दिल्ली(एजेंसी)। आपातकाल को लेकर संसद में जारी राजनीतिक बहस के बीच कांग्रेस और भाजपा के बीच नया विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा में मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन को पत्र लिखकर अपने दावे के समर्थन में दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के तत्कालीन प्रमुख माधुकर दत्तात्रेय देवरस ने आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पत्र लिखकर संघ पर लगे प्रतिबंध को हटाने का अनुरोध किया था। जयराम रमेश ने बताया कि राज्यसभा में इस संबंध में दिए गए उनके बयान पर भाजपा सांसदों ने प्रमाण मांगा था। इसके बाद उन्होंने सभापति को देवरस द्वारा इंदिरा गांधी को लिखे गए दो पत्रों और आचार्य विनोबा भावे को लिखे गए एक पत्र की प्रमाणित प्रतियां उपलब्ध कराई हैं। अपने पत्र में रमेश ने कहा कि यह दस्तावेज उनके दावे का प्रमाण हैं और इन्हें सदन के रिकॉर्ड का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने लिखा कि संसदीय कार्य मंत्री के बयान का जवाब देते समय उन्होंने यह तथ्य रखा था, जिस पर भाजपा सदस्यों ने आपत्ति जताई थी। कांग्रेस नेता ने अपने दावे के समर्थन में ब्रह्म दत्त की पुस्तक फाइव हेडेड मॉन्स्टर: ए फैक्चुअल नैरेटिव ऑफ द जेनेसिस ऑफ जनता पार्टी का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार, पुस्तक में वर्ष 1975

के दौरान पुणे की यरवदा केंद्रीय जेल से देवरस द्वारा इंदिरा गांधी को लिखे गए दो पत्रों का उल्लेख है। इन पत्रों में कथित तौर पर संघ पर लगे प्रतिबंध को हटाने का अनुरोध किया गया था तथा आरएसएस के बारे में बनी गलत धारणाओं को दूर करने की बात कही गई थी। रमेश के अनुसार, पत्रों में यह भी उल्लेख है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बिहार और गुजरात के आंदोलनों, जिनमें जयप्रकाश नारायण का आंदोलन भी शामिल था, से कोई संबंध नहीं था। साथ ही संघ की ओर से देश के विकास कार्यों में योगदान देने की इच्छा भी व्यक्त की गई थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि आचार्य विनोबा भावे को लिखे गए पत्र में देवरस ने उनसे प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के समक्ष संघ के प्रति बनी गलत धारणाओं को दूर करने और स्वयंसेवकों की रिहाई के लिए प्रयास करने का अनुरोध किया था। कांग्रेस नेता के मुताबिक यह पत्र मुंबई के सेंट जोसेफ अस्पताल के जेल वार्ड से लिखा गया था। जयराम रमेश ने यह भी दावा किया कि इंदिरा गांधी को भेजे गए एक पत्र में देवरस ने उस समय उन्हें बधाई दी थी, जब सर्वोच्च न्यायालय ने उनके चुनाव की वैधता को बरकरार रखा था। संसद में आपातकाल को लेकर पहले से जारी राजनीतिक बहस के बीच जयराम रमेश द्वारा दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने के बाद इस मुद्दे पर सियासी बयानबाजी और तेज होने के आसार हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

राष्ट्रमंडल खेलों में अस्मिता डे ने रचा इतिहास

ग्लास्गो। राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय जूडो खिलाड़ी अस्मिता डे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। महिला 48 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में उन्होंने कनाडा की हेडी काच को रोमांचक मुकाबले में हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही अस्मिता राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में जूडो स्पर्धा में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। शुरुआती दौर में अस्मिता 0-1 से पिछड़ गई थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। निर्धारित चार मिनट का समय समाप्त होने के बाद भी दोनों खिलाड़ियों के बीच फैसला नहीं हो सका, जिसके बाद मुकाबला सडेन डेथ में पहुंचा। सडेन डेथ में अस्मिता ने संयम, तकनीक और आत्मविश्वास का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए निर्णायक अंक हासिल किया और मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमा लिया। उनकी इस जीत के साथ भारतीय जूडो को राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार स्वर्ण पदक का गौरव प्राप्त हुआ।

पाकिस्तानी कश्मीर' शब्द पर भारत सख्त, विदेश मंत्रालय ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) को लेकर अमेरिकी समाचार पत्र न्यूयॉर्क टाइम्स की एक हेडलाइन में इस्तेमाल किए गए 'पाकिस्तानी कश्मीर' शब्द पर कड़ी आपत्ति जताई है। भारत ने कहा कि यह शब्दावली तथ्यात्मक और कानूनी रूप से गलत है। विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों से अपील की है कि वे इस क्षेत्र के लिए सही और मान्य नाम का ही इस्तेमाल करें। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि भारत का रुख इस मुद्दे पर पूरी तरह स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों का पूरा क्षेत्र भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। भारत पहले भी इस स्थिति को स्पष्ट करता रहा है और आगे भी अपने रुख पर कायम रहेगा। जायसवाल ने कहा कि सभी साझेदार देशों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और मीडिया संस्थानों को इस क्षेत्र का उल्लेख करते समय सही नाम और तथ्यात्मक जानकारी का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में भारत की नीति और स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। विदेश मंत्रालय की यह प्रतिक्रिया न्यूयॉर्क टाइम्स की उस हेडलाइन के बाद आई, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के लिए 'पाकिस्तानी कश्मीर' शब्द का इस्तेमाल किया गया था।

पीएम मोदी ने ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बर्नहैम से की पहली बातचीत

तकनीक, रक्षा, व्यापार और स्वच्छ ऊर्जा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर बनी सहमति

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम से पहली बार टेलीफोन पर बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें नई जिम्मेदारी संभालने पर बधाई दी और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने

सोशल मीडिया मंच एक्स पर बातचीत की जानकारी साझा करते हुए कहा कि दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए मिलकर काम किया जाएगा। उन्होंने इसे भारत और ब्रिटेन के मजबूत एवं भरोसेमंद रिश्तों को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण बातचीत बताया। वार्ता के दौरान तकनीक, नवाचार, रक्षा, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा, व्यापार और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को विस्तार देने पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने इन क्षेत्रों में साझेदारी को और गहरा करने पर सहमति व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में लागू भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे व्यापार और निवेश के नए अवसर पैदा हुए हैं। दोनों देशों ने इस समझौते का पूरा लाभ उठाकर आर्थिक सहयोग और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया। बातचीत के अंत में दोनों नेताओं ने रक्षा, सुरक्षा, नवाचार, शिक्षा और

आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में ताहिर हुसैन समेत पांच को उम्रकैद

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में वर्ष 2020 के सांप्रदायिक दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के बहुचर्चित मामले में कड़कड़डूमा अदालत ने पूर्व आम आदमी पार्टी (आप) पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने ताहिर हुसैन, नजीर, आसिम, जावेद और अनास को हत्या, अपहरण और दंगा भड़काने सहित विभिन्न धाराओं में दोषी करार दिया। अदालत के अनुसार, 24 फरवरी 2020 को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर भड़के दंगों के दौरान अंकित शर्मा घर से आवश्यक सामान लेने निकले थे। इसी दौरान वे हिंसक भीड़ की चपेट में आ गए और उनकी हत्या कर दी गई। मामले की जांच के दौरान सामने आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अंकित शर्मा के शरीर पर धारदार हथियार और कुंद वस्तुओं से किए गए 51 चोटों के निशान पाए गए थे। जांच के अनुसार, हत्या के बाद उनका शव चांद बाग पुलिया के पास एक नाले में फेंक दिया गया था। बाद में पुलिस ने शव बरामद कर जीटीबी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अंकित शर्मा के पिता ने दयालपुर थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में ताहिर हुसैन और उसके साथियों पर हत्या का आरोप लगाया था। मामले की जांच के बाद पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल किया और अदालत में सुनवाई चली। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह की अदालत ने पांचों दोषियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 365 (अपहरण), 147, 148, 149, 153ए और अन्य संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई।

सीमा से सटे जिलों में नकली नोटों पर आरबीआई सख्त

नई दिल्ली(एजेंसी)। नकली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) पर रोक लगाने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बैंकों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे जिलों में स्थित सभी बैंक शाखाओं में नोटों की असलियत जांचने और छंटाई करने वाली मशीनें अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएं। आरबीआई ने कहा कि कुछ बैंकों द्वारा नकली नोटों की पहचान और रिपोर्टिंग को लेकर पर्याप्त सतर्कता नहीं बरती जा रही थी। इसे देखते हुए बैंकों को अपनी व्यवस्थाओं की समीक्षा कर नकली नोटों की पहचान, जब्ती और रिपोर्टिंग प्रक्रिया को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। आरबीआई के निर्देश के अनुसार, बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि शाखाओं में जमा होने वाले सभी नोटों की जांच मशीनों के माध्यम से की जाए। यदि कोई नोट नकली पाया जाता है तो उसे तुरंत जब्त किया जाएगा। नकली नोट को किसी भी स्थिति में ग्राहक को वापस नहीं किया जाएगा और न ही बैंक परिसर में नष्ट किया जाएगा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि नकली भारतीय मुद्रा नोटों की जानकारी निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार संबंधित एजेंसियों को उपलब्ध करानी होगी, ताकि नकली नोटों के नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

'भुली' योजना में महिलाओं का बढ़ा उत्साह, एक हजार से अधिक आवेदन

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड सरकार के ग्राम्य विकास विभाग की 'भुली' योजना को महिलाओं का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। योजना के तहत अब तक राज्यभर से एक हजार से अधिक महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों ने आवेदन किया है। चयनित लाभार्थियों को रोजगार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए 1.66 लाख रुपये से 7.50 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त सॉफ्ट ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। ग्राम्य विकास विभाग के अनुसार, योजना का उद्देश्य महिला उद्यमियों और महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों

को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस योजना के तहत राज्य की 150 महिला उद्यमियों अथवा महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों का चयन किया जाएगा। चयनित समूहों को वित्तीय सहायता के साथ-साथ तकनीकी विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी मिलेगा, जिससे वे अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकें। योजना की शर्तों के अनुसार, चयनित समूहों को अपने कारोबार में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही उन्हें अपनी क्षमता के अनुसार तीन से चार स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना होगा, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ सकें। आवेदनों की बात करें तो पिथौरागढ़ सबसे आगे है, जहां से 168 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके बाद उत्तरकाशी से 161, चमोली से 124, चंपावत से 92, पौड़ी गढ़वाल से 71, नैनीताल से 69, टिहरी गढ़वाल से 66, रुद्रप्रयाग से 64, हरिद्वार से 56, अल्मोड़ा से 44, देहरादून से 41, उधम सिंह नगर से 24 और बागेश्वर से 21 आवेदन प्राप्त हुए हैं। ग्राम्य विकास मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कहा कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से स्पष्ट है कि योजना को अच्छा समर्थन मिल रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि 'भुली' योजना महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक प्रगति और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इसी प्रकार की कई योजनाओं का प्रभावी ढंग से संचालन कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिए अहम निर्देश, पीड़ित भारतीय परिवारों की हरसंभव मदद के आदेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान नौकरी का झांसा देकर रूस भेजे गए और बाद में युद्ध क्षेत्र में पहुंचा दिए गए भारतीय नागरिकों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने कहा कि युद्ध में मारे गए, घायल हुए और लापता भारतीय नागरिकों के परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। इसके लिए विदेश मंत्रालय में एक समर्पित नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए, जो प्रभावित परिवारों से नियमित संपर्क बनाए रखे और उन्हें हर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि पीड़ित परिवार पहले से ही मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक संकट

का सामना कर रहे हैं। ऐसे में प्रशासनिक प्रक्रियाओं में देरी या जानकारी के अभाव से उनकी परेशानियां और नहीं बढ़नी चाहिए। अदालत ने सरकार से संवेदनशीलता के साथ मामले का समाधान करने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने विदेश मंत्रालय को निर्देश दिया कि एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए, जो युद्ध में प्रभावित भारतीय नागरिकों के परिजनों के साथ लगातार संपर्क में रहे। यह अधिकारी परिवारों को खोजबीन, पार्थिव शरीर की स्वदेश वापसी, मुआवजा प्रक्रिया और अन्य सरकारी प्रयासों की नियमित जानकारी देगा। अदालत ने यह भी कहा कि जिन भारतीय नागरिकों की मौत हुई है, उनकी पहचान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर डीएनए नमूनों का मिलान कराया जाए, ताकि पार्थिव शरीर सही परिवारों तक पहुंच सके। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के समक्ष मुआवजा दावा (क्लेम) दाखिल कराने में विदेश मंत्रालय प्रभावित परिवारों की पूरी मदद करे। अदालत ने कहा कि मुआवजा प्रक्रिया से जुड़ी सभी जानकारियां और आवश्यक दस्तावेज परिवारों को उनकी मातृभाषा अथवा स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराए जाएं, जिससे उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई न हो। इसके साथ ही राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरणों को निर्देश दिया गया कि वे सभी प्रभावित परिवारों को निशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराएं। इसमें मुआवजा दावा दाखिल करने, आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने, कानूनी औपचारिकताएं पूरी कराने तथा पार्थिव शरीर की स्वदेश वापसी से संबंधित प्रक्रियाओं में सहयोग शामिल होगा। यह मामला उन भारतीय युवाओं से जुड़ा है, जिन्हें कथित तौर पर ट्रैवल एजेंटों ने रूस में आकर्षक नौकरी का झांसा देकर भेजा था। परिजनों का आरोप है कि रूस पहुंचने के बाद कई युवाओं को उनकी इच्छा के विरुद्ध रूस-यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर भेज दिया गया। युद्ध के दौरान कई भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, कुछ गंभीर रूप से घायल हुए, जबकि कई अब भी लापता बताए जा रहे हैं।

'देश चलाना है तो कानून भी बनाने होंगे'

संसद में हंगामे पर रिजिजू का विपक्ष को जवाब

नई दिल्ली(एजेंसी)। संसद में विधेयकों को बिना पर्याप्त चर्चा के पारित कराने के विपक्ष के आरोपों पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता संसद के तय कामकाज को पूरा करना और देशहित में जरूरी कानून बनाना है। रिजिजू ने कहा कि देश चलाने के लिए कानूनों की आवश्यकता होती है और संसद का कामकाज लगातार बाधित नहीं किया जा सकता। विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने कहा कि सरकार पर बिना चर्चा के विधेयक पारित कराने के आरोप कोई नई बात नहीं हैं। कांग्रेस समेत विपक्षी दल पहले भी इस तरह के आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि संसद में विधेयकों पर चर्चा के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध कराया गया है और सरकार ने हमेशा

लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन किया है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि संसद का उद्देश्य केवल बहस करना ही नहीं, बल्कि देश की जरूरतों के अनुसार कानून बनाना भी है। उन्होंने कहा कि बजट, विकास योजनाओं और अन्य महत्वपूर्ण विषयों को मंजूरी देने के लिए संसद का सुचारू संचालन जरूरी है। रिजिजू ने कहा कि यदि लगातार हंगामे के कारण सरकार जरूरी विधेयक पारित नहीं करा पाएगी तो इससे संसद की कार्यप्रणाली प्रभावित होगी। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर संसद अपने निर्धारित कार्य पूरे नहीं कर पाएगी तो फिर उसके संचालन का उद्देश्य ही क्या रह जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

विकास को मुंह चिढ़ा रहा रूद्रपुर-नकइल मार्ग

-10 वर्षों में नहीं हुई रिपेयरिंग

रूद्रपुर, देवरिया। विधानसभा रुद्रपुर से राप्ती नदी के तट पर बसे नकईल गांव को जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। वास्तव में इस मार्ग को सड़क कहना ही बेमानी होगी। गड्ढे में सड़क है या सड़क में गड्ढा इंजीनियर ही बता सकता है। बरसात के दिनों में 8 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर साइकिल व मोटरसाइकिल चालक अक्सर गिरकर चोटिल होते हैं। रुद्रपुर से नकईल के बीच में बसे दर्जन भर गांव के लोग जब इस मार्ग पर चलते हैं तो मौजूद भाजपा सरकार के जनप्रतिनिधियों को खरी-खोटी सुनाते हैं। बावजूद इसके विकास का पर्याय बने जनप्रतिनिधियों को कोई लेना-देना नहीं है। सपा नेता प्रदीप यादव का कहना है कि विगत 10 वर्षों से इस सड़क पर कोई रिपेयरिंग का कार्य नहीं हुआ। गड्ढ़ो में ना तो मिटटी भरी गई और ना ही सड़क पिच बन सकी। चाहे बाजार के लिए आने वाले लोग हों ,रोजगार के लिए आने वाले लोग हों या स्कूली बच्चे सभी अपनी किस्मत का रोना रो रहे हैं। लोगों का कहना है कि रुद्रपुर विधानसभा की ये सड़क अपने अभूतपूर्व विकास पर रो रही है ।और सड़क में बने अनगिनत गड्ढे विकास को मुंह चिढ़ा रहे हैं। वर्तमान में सोशल मीडिया पर सड़क को लेकर जबरदस्त आंदोलन चल रहा है। लोग सोशल मीडिया के माध्यम से अपने क्षेत्रीय विधायक को कोस रहे हैं और प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क दुरुस्त करने की मांग कर रहे हैं।

माटी कला बोर्ड का स्थापना दिवस खजनी में धूमधाम से मनाया

कार्यक्रम में कुम्हारों को सम्मानित किया गया, मिट्टी के उत्पादों की प्रदर्शनी

खजनी, गोरखपुर उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड का स्थापना दिवस कंबल कारखाना खजनी के सभागार में उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खजनी विधानसभा के विधायक श्री राम चौहान ने की। कार्यक्रम में काजल कुम्हार आजीविका जागरूकता लीग के तहत 40 कुम्हार परिवारों को इलेक्ट्रिक चाक, टूल किट और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। माटी कला बोर्ड के अधिकारियों ने कुम्हारों को सरकारी योजनाओं, सब्सिडी और बाजार उपलब्धता की जानकारी दी। इस अवसर पर मिट्टी के दीये, कुल्हड़, गमले और सजावटी सामान की प्रदर्शनी भी लगाई गई। विधायक जी ने कहा कि 'माटी कला हमारी संस्कृति है। इसे बचाने के लिए हर घर में मिट्टी के उत्पाद अपनाने होंगे। कार्यक्रम में बीडीओ खजनी, रमेश शुक्ला पूर्व मंडल अध्यक्ष धरनीधर राम त्रिपाठी महादेव मंडल के दुर्गेश पटवा,जगदीश चौरसिया,खजनी ब्लाक प्रमुख के प्रतिनिधि अंशुमाली धर द्विवेदी विनोद पांडे एडवोकेट आदर्श राम त्रिपाठी गजेंद्र राम त्रिपाठीऔर बड़ी संख्या में कुम्हार समाज के लोग मौजूद रहे। अंत में उत्कृष्ट कारीगरों को 'माटी रत्न सम्मान' से नवाजा गया।

गोरखपुर जेल में बंदी फरार होने से हड़कंप

» बैरकों में शुरू हुई सघन गिनती; पॉक्सो एक्ट में 12 दिन पहले हुआ था निरुद्ध

» उक्त सूचना खबर को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नही!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जिला कारागार गोरखपुर में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब पॉक्सो एक्ट के एक मामले में निरुद्ध बंदी के लापता होने की सूचना सामने आई। सूचना मिलते ही जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और पूरे कारागार परिसर में सुरक्षा व्यवस्था तत्काल कड़ी कर दी गई। सभी बैरकों की गिनती शुरू कराई गई, जबकि बंदी रक्षकों और अधिकारियों ने जेल परिसर के हर हिस्से की सघन तलाशी शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, बांसगांव थाना क्षेत्र के रहने वाले विपिन को एक नाबालिग लड़की को भगाने के मामले में पुलिस ने 18 जुलाई को गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। उसी दिन न्यायालय में पेश करने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार गोरखपुर भेज दिया गया था।

वह पिछले 12 दिनों से जेल में बंद था

शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे अचानक यह सूचना फैली कि बंदी विपिन अपनी बैरक में मौजूद नहीं है। सूचना मिलते ही जेल प्रशासन ने तत्काल सभी बैरकों से बंदियों को बाहर निकलवाकर गिनती शुरू कराई। सुरक्षा कर्मियों ने जेल परिसर के प्रत्येक हिस्से की तलाशी ली, लेकिन काफी देर तक विपिन का कोई सुराग नहीं मिल सका। इस घटना के बाद जेल प्रशासन के साथ-साथ पुलिस महकमे में भी हलचल तेज हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए शाहपुर पुलिस को भी सूचना दी गई, जिसने बंदी की तलाश शुरू कर दी है। वहीं, बांसगांव थाने की पुलिस से भी संपर्क कर आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों द्वारा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बंदी वास्तव में जेल से फरार हुआ है या किसी अन्य कारण से गिनती में अनुपस्थित पाया गया।

फिलहाल जेल प्रशासन पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटा हुआ है। सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है तथा जेल परिसर के सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। बंदी के संबंध में आधिकारिक पुष्टि और जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। यदि फरारी की पुष्टि होती है, तो यह जिला कारागार की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर सकती है और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जा सकती है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

चुनार, मीरजापुर। कोतवाली क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया पुलिस ने आरोपी करन पुत्र प्रकाश निवासी शहंशाहपुर जनपद वाराणसी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी करन को शुक्रवार को माननीय न्यायालय को भेज दिया। यह कार्यवाही दो दिन पूर्व एक व्यक्ति ने शिकायत में तहरीर देकर बताया था कि नामजद अभियुक्त ने नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर अन्यत्र जगह ले जाकर दुष्कर्म किया है ।घटना के बारे पुछे जाने पर जान से मारने पीटने की धमकी देने का आरोप लगाया था।शिकायत के आधार कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय को भेज दिया गया।

पुलिस व्यवस्था पर गोरखपुर में बड़ा एक्शन

कोतवाली प्रभारी लाइन हाजिर, नगर निगम चौकी प्रभारी निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने शुक्रवार को पुलिस विभाग में अनुशासन और जवाबदेही को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक छत्रपाल सिंह को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। वहीं नगर निगम चौकी प्रभारी, महिला उपनिरीक्षक दीपशिखा को कर्तव्यों के प्रति घोर उदासीनता, लापरवाही और स्वेच्छाचारिता पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। एसएसपी द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, दोनों अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा के दौरान उनके दायित्वों के निर्वहन में गंभीर अनियमितताएं सामने आई। इसके बाद थाना प्रभारी कोतवाली को लाइन हाजिर करने का निर्णय लिया गया, जबकि नगर निगम चौकी प्रभारी के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई करते हुए विभागीय जांच भी शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि

जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने और पुलिसिंग की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कर्तव्य निर्वहन में उदासीनता या अनुशासनहीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी की इस कार्रवाई को पुलिस महकमे में अनुशासन स्थापित करने की दिशा में एक सख्त संदेश माना जा रहा है। विभागीय जांच पूरी होने के बाद संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में जवाबदेह, पारदर्शी और प्रभावी पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए ऐसे कदम आगे भी लगातार उठाए जाते रहेंगे।

अनाथ बच्चों के सहारे को मजबूत करने की पहल

अधिकारियों ने मौके पर बनाई परिवारों की प्रोफाइल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। शासन की प्राथमिकताओं में शामिल महराजगंज पहल कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को विकास खण्ड नौतनवा के सभागार कक्ष में खण्ड विकास अधिकारी अमित कुमार मिश्र के नेतृत्व में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना से लाभान्वित बच्चों एवं उनके परिवारों के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लाभार्थी परिवारों की विस्तृत प्रोफाइल तैयार कर उन्हें पात्रता के अनुसार शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करना है ताकि इन परिवारों को सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर बच्चों के समग्र विकास को नई दिशा दी जा सके। इसी क्रम में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सामूहिक रूप से विकास खण्ड कार्यालय में आमंत्रित किए गए बच्चों और उनके अभिभावकों की वास्तविक आवश्यकताओं का गहन आकलन करते हुए उनकी विशिष्ट प्रोफाइल तैयार की गई, जिसके अंतर्गत लाभार्थियों के फैमिली आईडी, आयुष्मान भारत कार्ड, राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन,

दिव्यांग पेंशन, व्यक्तिगत शौचालय एवं प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न योजनाओं के संबंध में मौके पर ही आवश्यक जानकारी व दस्तावेज एकत्र किए गए तथा पात्र परिवारों को इन सभी योजनाओं से तत्काल जोड़ने की विधिक कार्यवाही प्रारंभ की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस अनूठी पहल से जहां लाभार्थी परिवारों के जीवन स्तर में तेजी से सुधार होगा, वहीं बेसहारा बच्चों के भविष्य और उनकी शिक्षा को एक सुदृढ़ सुरक्षा कवच मिलेगा। इस महत्वपूर्ण शिविर के दौरान खण्ड विकास अधिकारी अमित मिश्रा, एडीओ पंचायत रामकृष्ण प्रसाद, सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण राकेश वर्मा, केंद्र प्रशासक सखी वन स्टॉप सेंटर नौतनवा साधना त्रिपाठी, ग्राम पंचायत सचिव परमेश्वर दूबे, संजय पाण्डेय, दिनेश पासवान, पुष्पेन्द्र राय सहित विकास खण्ड स्तरीय अधिकारी, संबंधित विभागों के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में लाभार्थी परिवारों के लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

बागवानी योजनाओं से जुड़ेंगे किसान, डीएम ने दिए शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरे करने के निर्देश

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH) के तहत वर्ष 2026-27 के लक्ष्यों, नवीन दिशा-निर्देशों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि मिशन के अंतर्गत स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट, केला, पपीता, पुष्प, मसाला, औषधीय एवं सुगंधित फसलों, संकर सब्जियों तथा बागवानी यंत्रीकरण को बढ़ावा दिया जाएगा। लाभार्थियों का चयन ऑनलाइन आवेदन और प्रथम आवक-प्रथम पावक के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजनाओं के तहत किसानों को विभिन्न कार्यक्रमों में 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। फल क्षेत्र विस्तार, सब्जी उत्पादन, पुष्प उत्पादन, मसाला खेती, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, प्लास्टिक मल्चिंग और बागवानी यंत्रीकरण जैसी गतिविधियों को शामिल किया गया है। बैठक में अमरूद, ड्रैगन फ्रूट, केला, हाइब्रिड सब्जियां, गेंदा, ग्लैडियोलस, प्याज और लहसुन सहित विभिन्न फसलों के निर्धारित लक्ष्यों की जानकारी दी गई।

गोरखपुर पुलिस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

● चार क्षेत्राधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जनपद गोरखपुर पुलिस प्रशासन में शुक्रवार को महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आदेश के अनुसार चार राजपत्रित पुलिस अधिकारियों (सीओ) के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस बदलाव को कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा पुलिस कार्यप्रणाली में बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। जारी आदेश के अनुसार श्री कीर्ति निधि आनन्द, जो अब तक क्षेत्राधिकारी गीडा के पद पर कार्यरत थे, उन्हें क्षेत्राधिकारी कैण्ट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं श्रीमती आभा सिंह, जो क्षेत्राधिकारी कैण्ट के पद पर तैनात थीं, अब क्षेत्राधिकारी गीडा का कार्यभार संभालेंगी। दोनों अधिकारियों के बीच दायित्वों का परस्पर स्थानांतरण किया गया है। इसी क्रम में दीपांशी राठौर, जो अब तक क्षेत्राधिकारी यातायात के रूप में कार्य कर रही थीं, उन्हें क्षेत्राधिकारी खजनी नियुक्त किया गया है। दूसरी ओर श्री मनीष शर्मा, जो क्षेत्राधिकारी खजनी के पद पर तैनात थे, उन्हें क्षेत्राधिकारी यातायात का नया दायित्व सौंपा गया है।

पुलिस विभाग की ओर से जारी इस आदेश के बाद संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए कार्यस्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि बदलते हालात, कानून-व्यवस्था की आवश्यकताओं तथा प्रशासनिक दृष्टि से बेहतर कार्य निष्पादन को ध्यान में रखते हुए यह फेरबदल किया गया है। गौरतलब है कि गोरखपुर जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, यातायात प्रबंधन तथा थाना क्षेत्रों की प्रभावी निगरानी में क्षेत्राधिकारियों की

भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में इन अधिकारियों के नए दायित्वों से विभिन्न सर्किलों में पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस महकमे में हुए इस प्रशासनिक बदलाव के बाद सभी की निगाहें नए तैनात अधिकारियों की कार्यशैली और उनके नेतृत्व में संबंधित क्षेत्रों में होने वाले पुलिस कार्यों पर रहेंगी। माना जा रहा है कि नई जिम्मेदारियों के साथ अधिकारी जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान, अपराध नियंत्रण तथा बेहतर पुलिसिंग को प्राथमिकता देते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

खजनी तहसील में न्यायिक व्यवस्था सुधार की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ख़जनी/गोरखपुर। तहसील खजनी में तहसीलदार न्यायालय/ तहसीलदार न्यायिक के बहिष्कार को लेकर लंबे समय से चली आ रही अधिवक्ताओं की हड़ताल के बीच शुक्रवार को बार एसोसिएशन खजनी का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी दीपक मीणा से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार न्यायालय/तहसीलदार न्यायिक के न्यायालय की हड़ताल को लेकर एक मांगपत्र दिया। तथा तहसीलदार खजनी का स्थानांतरण कर तत्काल न्यायिक व्यवस्था बहाल करने तथा लंबित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण की मांग उठाई जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। बताया जाता है कि 22 जनवरी 2026 से तहसीलदार न्यायालय में मुकदमे के निस्तारण को लेकर अधिवक्ताओं और तहसीलदार के बीच विवाद बना हुआ है तथा अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत है बार एशोसियेसन के पदाधिकारी ने समस्या के समाधान व स्थानांतरण की मांग को लेकर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बार एसोसिएशन खजनी के अध्यक्ष सत्य प्रकाश श्रीवास्तव (एडवोकेट) के नेतृत्व में अधिवक्ताओं का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिला।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि 22जनवरी 2026 से तहसीलदार खजनी ध्रुवेश कुमार सिंह के न्यायालय में न्यायिक कार्य पूरी तरह से बंद है अधिवक्ताओं को लगातार आंदोलन करना पड़ रहा है। न्यायालय में लंबित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिससे वादकारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने अधिवक्ताओं की बात गंभीरता से सुनी और तत्काल तहसीलदार न्यायिक के सभी लंबित मुकदमों को अन्य सक्षम न्यायालय में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। ज्ञातव्य है कि तहसीलदार खजनी के पास तहसीलदार न्यायालय व तहसीलदार न्यायिक दो पद है एक पद को जिलाधिकारी महोदय ने तत्काल हटा दिया उन्होंने कहा कि जनपद में तहसीलदारों की कमी है, लेकिन शासन स्तर पर नए तहसीलदारों की तैनाती की प्रक्रिया चल रही है। जैसे ही नए अधिकारियों की नियुक्ति होगी, खजनी की समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अतिरिक्त जिलाधिकारी (प्रशासन) को भी पूरे मामले का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद बार एसोसिएशन का

प्रतिनिधिमंडल एडीएम (प्रशासन) से भी मिला और विस्तृत रूप से अपनी समस्याएं रखीं। एडीएम ने अधिवक्ताओं को आश्वस्त किया कि शासन और जिला प्रशासन के स्तर पर समन्वय बनाकर जल्द ही उचित समाधान कराया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष उमापति उपाध्याय, मंत्री अनुज आस्थाना, संयुक्त मंत्री (प्रकाशन) आशुतोष दुबे, तहसील बार एसोसिएशन के महामंत्री चन्द्रमौलि कुमार शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ईश्वर चन्द्र सिंह, संयुक्त मंत्री (प्रकाशन) अजय कुमार सिंह, अनूप सिंह एडवोकेट सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। अधिवक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आगे की रणनीति बनाकर आंदोलन को और तेज करने के लिए बाध्य होंगे। प्रशासन के आश्वासन के बाद फिलहाल अधिवक्ताओं को सकारात्मक समाधान की उम्मीद जगी है।

मुख्यमंत्री जी तीन साल में उखड़ गई डामर सड़क

बड़े-बड़े गड्ढों से ग्रामीणों की बढ़ी मुश्किलें; मरम्मत की उठी मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। विकासखंड रुपईडीह अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरिया कला में खरगूपुर-इटियाथोक मुख्य मार्ग से पंडित शुक्ला के दरवाजे तक बनी लगभग 400 मीटर डामर सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो जाने से राहगीरों, स्कूली बच्चों, किसानों एवं वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की बदहाल स्थिति के कारण किसी भी समय बड़ा सड़क हादसा हो सकता है।ग्रामीणों के अनुसार, इस सड़क का निर्माण वर्ष 2022 में कटरा बाजार विधानसभा क्षेत्र के विधायक बावन सिंह के द्वारा कराया गया था। लेकिन निर्माण के महज तीन वर्ष के भीतर ही सड़क की डामर परत उखड़ गई और कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं। बरसात के मौसम में इन गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का पता नहीं चल पाता, जिससे दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग गांव के लोगों के साथ-साथ स्कूली बच्चों, किसानों और दैनिक आवागमन करने वाले लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण लोगों को प्रतिदिन जोखिम उठाकर सफर करना पड़ रहा है। ग्रामीण अमरनाथ तिवारी, प्रबल प्रताप सिंह, आशुतोष तिवारी, प्रभाकर तिवारी, अखिलेश तिवारी, राम गोपाल तिवारी, श्रीकांत तिवारी, जीवन बाबू पांडे, ओमकार पांडे, कीर्ति प्रकाश शिवशंकर तिवारी एवं रामभवन आर्य सहित अन्य लोगों ने शासन-प्रशासन तथा संबंधित विभाग से तत्काल सड़क का निरीक्षण कराकर उसकी मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण कराने की मांग की है। साथ ही सड़क निर्माण की गुणवत्ता की जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की भी मांग की गई है।ग्रामीणों ने कहा कि यदि शीघ्र सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो भविष्य में कोई गंभीर दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने जनहित को देखते हुए संबंधित विभाग से तत्काल कार्रवाई कर सड़क को आवागमन योग्य बनाने की मांग की है।

आइस फैक्ट्री में अमोनिया गैस का रिसाव, फायर ब्रिगेड टीम ने टाला बड़ा हादसा

अलीगढ़। शहर के दुबे के पड़ाव स्थित मीनाक्षी पुल के नीचे संचालित गुप्ता आइस फैक्ट्री में शुक्रवार सुबह अमोनिया गैस का रिसाव होने से आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई। गैस की तेज गंध महसूस होने पर स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और फायर सर्विस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गैस रिसाव पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना पर थाना गांधी पार्क पुलिस, मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) मुकेश कुमार, फायर स्टेशन अधिकारी (एफएसओ) संजीव कुमार सिंह भी टीम के साथ पहुंच गए। राहत एवं बचाव कार्य के लिए फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां भी मौके पर भेजी गईं। फायर सर्विस की टीम ने जांच में अमोनिया गैस के रिसाव की पुष्टि की और तत्काल आवश्यक तकनीकी उपाय अपनाकर रिसाव को नियंत्रित कर दिया। अधिकारियों की तत्परता के चलते किसी प्रकार की जनहानि या अन्य बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। घटना के बाद अधिकारियों ने फैक्ट्री संचालक अभिषेक अग्रवाल को भविष्य में ऐसी लापरवाही न बरतने की सख्त चेतावनी दी।

डॉक्टर्स इलेवन ने 4 विकेट से दर्ज किया जीत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकर नगर। आराध्या श्री फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित सड़क सुरक्षा सद्भावना कप में डॉक्टर्स इलेवन ने क्रिएटर्स चैंपियन्स अम्बेडकरनगर को 4 विकेट से हराया। तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त। सड़क सुरक्षा सद्भावना कप में आज सुबह विशाल क्रिकेट एकेडमी पर क्रिएटर्स चैंपियन्स के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। डॉक्टर्स इलेवन के गेंदबाजों ने सटीक नियंत्रित गेंदबाजी करते हुए इस निर्णय को गलत साबित कर दिया और पूरी टीम 12.5 ओवर में 51 रनों पर सिमट गई। डॉक्टर्स इलेवन के कहर बरपाती घातक गेंदबाजी के सामने इनके सभी बल्लेबाज घुटने टेकने पर मजबूर हो गए और नियमित अंतराल पर लगातार विकेट गिरते रहे। क्रिएटर्स चैंपियन्स का कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक को नहीं छू सका । अंगद ने सर्वाधिक 9 रन बनाये। डॉक्टर्स इलेवन के लिए स्पिनर डॉ उत्कर्ष सिंह ने तीन ओवर दो मेडेन पांच रन के साथ

सबसे किफायती गेंदबाजी करते हुए 2 कीमती विकेट लिये। रोहित और अनीश को दो-दो विकेट मिला। डॉक्टर्स इलेवन के कप्तान डॉ जीडी वर्मा ने शानदार कप्तानी करते हुए अपने गेंदबाजी में लगातार परिवर्तन करते रहे जिससे क्रिएटर्स के बल्लेबाज गेंदबाजी को पढ़ने में नाकामयाब रहे और लंबी पारी नहीं कर सके।

लक्ष्य का पीछा करते हुए डॉक्टर्स इलेवन ने 11.2 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 52रन बनाकर मैच को चार विकेट से जीत लिया। डॉ अभिनीत ने 17 और ओपनर बल्लेबाज डॉ चंद्रभान ने एक छोर को सम्भालकर खेलते हुए 9 रन बनाये । मैच के मुख्य अतिथि डॉक्टर विवेक श्रीवास्तव ऑर्थोपेडिक सर्जन हड्डी रोग विशेषज्ञ राजकीय महामाया मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर अम्बेडकरनगर रहे।

उन्होंने कहा जीत और हार खेल का एक हिस्सा है लेकिन हर मुकाबला हमें कुछ नया शिक्षा देकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है । इस प्रकार के खेल आयोजन से लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा यातायात के नियमों का पालन करने में मदद मिलेगी। आराध्या श्री फाउंडेशन के द्वारा आयोजित खेल के जरिए सड़क सुरक्षा यातायात के नियमों का पालन करने के लिए सभी लोगों को लगातार प्रेरित किया जा रहा है। प्लेयर ऑफ द मैच मैच डॉक्टर अभिनीत यादव, बेस्ट गेंदबाज डॉक्टर उत्कर्ष सिंह तथा बेस्ट बल्लेबाज का पुरस्कार डॉक्टर चन्द्रभान को मिला। मैच में अम्पायर कमेंटेटर की भूमिका में अजय श्रीवास्तव, डॉक्टर एस एम बाकिर, स्कोरर विक्रम सिंह,गौरव रहे।इस अवसर पर डॉ प्रमोद यादव, डॉक्टर प्रवेश वर्मा, डॉ साजन देव, डॉ सिद्धांत ,डॉ आमोद, डॉ विमल, सुनील कुमार, धीरेंद्र, अंगद, मंगलेश, रोहित, छोटू सहित सभी खेल प्रेमी मौजूद रहे।

एक सप्ताह में धनराशि जमा न करने वाले सचिवों पर दर्ज होगी एफआईआर

» 28 सचिवों को जारी हुई थी धनराशि वसूली नोटिस, 9 समितियों ने जमा की पूरी धनराशि, शेष सचिवों पर होगी कार्रवाई

» एक सप्ताह की अंतिम मोहलत, भुगतान न करने वालों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई एवं एफआईआर होगी दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। जनपद में सहकारिता विभाग द्वारा वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने एवं बकाया धनराशि की वसूली के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत 18 जुलाई,2026 को कुल 28 सचिवों को धनराशि जमा करने के संबंध में नोटिस जारी की गई थी। विभाग द्वारा प्राप्त अद्यतन प्रगति रिपोर्ट के अनुसार 9 समितियों के सचिवों ने निर्धारित सम्पूर्ण धनराशि जमा कर दी है, जबकि 5 सचिवों द्वारा आंशिक धनराशि जमा की गई है। इसके अतिरिक्त 11 सचिवों द्वारा अभी तक कोई भी धनराशि जमा नहीं की गई है तथा शेष सचिवों द्वारा भी निर्धारित धनराशि का पूर्ण भुगतान नहीं किया गया है। विभाग द्वारा सभी मामलों की समीक्षा करते हुए वसूली प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक (एआर कोआपरेटिव) रविशंकर चौधरी को निर्देशित किया कि सभी संबंधित सचिवों की अद्यतन स्थिति का विस्तृत एवं तथ्यात्मक प्रतिवेदन तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन सचिवों द्वारा नोटिस जारी होने के बाद भी अपेक्षित धनराशि जमा नहीं की गई है, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि विभागीय स्तर पर किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित निगरानी की जाएगी।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि जिन सचिवों द्वारा आगामी एक सप्ताह के भीतर सम्पूर्ण बकाया धनराशि जमा नहीं की जाएगी, उनके विरुद्ध तत्काल विभागीय कार्रवाई प्रारम्भ की जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि ऐसे सचिवों के विरुद्ध नियमानुसार एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई भी पूर्ण की जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी धन की सुरक्षा एवं वित्तीय जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर अनियमितता या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रशासन ने हटाया अवैध कब्जा, रास्ता कराया मुक्त

भदोही। तहसील भदोही क्षेत्र के रामनगर गांव में शुक्रवार को राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने सरकारी सार्वजनिक रास्ते पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर भूमि को कब्जामुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान जेसीबी की सहायता से अतिक्रमण हटाया गया और पूरे अभियान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई। राजस्व विभाग के अनुसार, ग्राम रामनगर स्थित गाटा संख्या 596 (रकबा 0.0670 हेक्टेयर) राजस्व अभिलेखों में सार्वजनिक रास्ते के रूप में दर्ज है। इस भूमि पर प्रेमशंकर मिश्र द्वारा किए गए अवैध कब्जे को तहसीलदार न्यायालय के आदेश के अनुपालन में हटाया गया। कार्रवाई पूरी होने के बाद मौके पर स्पॉट मेमो भी तैयार किया गया।

अभियान के दौरान राजस्व अधिकारियों और पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। स्पॉट मेमो पर गवाह के रूप में आशीष मिश्रा, श्यामधर मिश्र, रामचंद्र मिश्र, कैलाशनाथ मिश्र एवं त्रिलोकीनाथ मिश्र सहित अन्य लोगों के हस्ताक्षर भी कराए गए। कार्रवाई के दौरान उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, हल्का लेखपाल एवं थाना प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि और सार्वजनिक रास्तों पर अवैध कब्जे के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा न्यायालय के आदेशों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा।

बदहाली की मार झेल रहा अयोध्या खेड़ा का आंगनबाड़ी केंद्र, जोखिम में नौनिहालों की सुरक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के विकास खण्ड मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत कोडरा रायपुर स्थित अयोध्या खेड़ा आंगनबाड़ी केंद्र बदहाली का शिकार है। केंद्र परिसर में उगी ऊंची घास और भवन के अंदर टूटी फर्श के बीच मासूम बच्चों, गर्भवती महिलाओं व धात्री माताओं को जान जोखिम में डालकर आना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, केंद्र परिसर में चारों ओर घनी घास उग आई है। बरसात के मौसम में यहां सांप, बिच्छू और अन्य जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बना रहता है। वहीं केंद्र के अंदर कई स्थानों पर फर्श उखड़ चुकी है, जिससे छोटे बच्चों के गिरकर चोटिल होने की आशंका बनी रहती है। इसके बावजूद बच्चों को इसी जर्जर भवन में बैठाकर पोषण एवं शिक्षण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि केंद्र की खराब स्थिति की जानकारी कई बार संबंधित

बरसात के मौसम में यहां सांप, बिच्छू और अन्य जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बना रहता है। वहीं केंद्र के अंदर कई स्थानों पर फर्श उखड़ चुकी है, जिससे छोटे बच्चों के गिरकर चोटिल होने की आशंका बनी रहती है। इसके बावजूद बच्चों को इसी जर्जर भवन में बैठाकर पोषण एवं शिक्षण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

अधिकारियों को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक न तो परिसर की सफाई कराई गई और न ही भवन की मरम्मत कराई गई। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए थे, लेकिन अयोध्या खेड़ा केंद्र की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। ग्रामीणों का कहना है कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के पोषण, टीकाकरण, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रारंभिक शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे में इसकी उपेक्षा बच्चों की सुरक्षा और भविष्य के साथ खिलवाड़ है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा संबंधित अधिकारियों से केंद्र परिसर की तत्काल सफाई कराने, भवन की मरम्मत कराने और बच्चों के लिए सुरक्षित व स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते सुधार नहीं हुआ और कोई अप्रिय घटना हुई तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और अधिकारियों की होगी।

लखनऊ में भिड़ेंगी आठ टीमें, यूपी प्रो हैंडबॉल लीग का आगाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 31 जुलाई 2026 पहले सीजन के सफल और रोमांचक आयोजन के बाद यूपी प्रो हैंडबॉल लीग (यूपीपीएचएल) अब अपने दूसरे संस्करण के लिए तैयार है। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में एसएन पाण्डेय खेल संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित होने वाली इस लीग का दूसरा सीजन जनवरी 2027 में लखनऊ में खेला जाएगा। इस बार लीग में छह के स्थान पर आठ टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें पहली बार लखनऊ की टीम भी शामिल होगी। इस बार विजेता टीम को 2.50 लाख रुपए व उपविजेता टीम को 1.50 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा आइकॉनिक ओलंपिक गेम्स अकादमी की ओर से दोनों ही टीमों को 50-50 हजार रूपए का पुरस्कार दिया जाएगा। इस संबंध में शुक्रवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि एशियन हैंडबॉल फेडरेशन के कार्उसिल मेंबर डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय (कार्यकारी निदेशक-

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया, सीईओ- यूपी प्रो हैंडबॉल लीग) ने लीग के लोगो का अनावरण किया। उन्होंने इस अवसर पर भारत के विभिन्न राज्यों के उत्कृष्ट 10 अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि पहले सीजन की सफलता ने दूसरे संस्करण को और अधिक भव्य एवं प्रतिस्पर्धी स्वरूप में आयोजित करने का विश्वास दिया है। मुझे विश्वास है कि दूसरा सीजन प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का बेहतर अवसर देगा। उन्होंने आगे कहा कि यूपी प्रो हैंडबॉल लीग का उद्देश्य केवल एक प्रतियोगिता आयोजित करना नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश में हैंडबॉल का मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना है। पहले सीजन में हमें खिलाड़ियों, टीमों और खेल प्रेमियों से जिस तरह का समर्थन मिला, उसने हमें दूसरे संस्करण को और अधिक भव्य एवं पेशेवर स्तर पर आयोजित करने का विश्वास दिया है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी और प्रदेश के साथ-साथ देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी समान अवसर मिलेगा। हमारा उद्देश्य उत्तर प्रदेश को हैंडबॉल का मजबूत केंद्र बनाना और इस लीग के माध्यम से नई प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है। दूसरे सीजन को और अधिक प्रतिस्पर्धी एवं पेशेवर बनाने के उद्देश्य से इस बार टीमों की संख्या बढ़ाकर आठ की गई है। प्रत्येक टीम में 18 खिलाड़ी होंगे, जिनमें 9 खिलाड़ी यूपी के होंगे जबकि 9 खिलाड़ी अन्य राज्यों एवं विभागों से होंगे।

आरक्षण मुक्त भारत की मांग को लेकर स्वर्ण मोर्चा करेगा शांतिपूर्ण धरना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 28 जुलाई स्वर्ण मोर्चा (राष्ट्रीय संगठन) ने लखनऊ के शहीद स्मारक पर 31 जुलाई से 2 अगस्त तक शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक धरना आयोजित करने के लिए पुलिस आयुक्त से अनुमति मांगी है। इस संबंध में संगठन की ओर से एक ज्ञापन पुलिस आयुक्त कार्यालय को सौंपा गया। ज्ञापन के अनुसार, प्रस्तावित धरने का उद्देश्य आरक्षण व्यवस्था, सामाजिक समानता तथा शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना है। संगठन ने अपने प्रमुख मांग-पत्र में 'आरक्षण हटाओ, देश बचाओ', 'जाति नहीं, समानता लाओ', 'सभी जातियां एक समान' तथा 'शिक्षा और चिकित्सा निःशुल्क हो' जैसे मुद्दों को शामिल किया है। स्वर्ण मोर्चा ने प्रशासन को आश्वस्त किया है कि धरना पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा और कानून-व्यवस्था संबंधी सभी दिशा-निर्देशों

का पालन किया जाएगा। संगठन ने यह भी स्पष्ट किया है कि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार के भड़काऊ, अशोभनीय या सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने वाले नारे अथवा गतिविधियों का प्रयोग नहीं किया जाएगा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप सिंह और राष्ट्रीय महासचिव अभिनव नाथ त्रिपाठी ने प्रशासन से कार्यक्रम के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन के लिए आवश्यक अनुमति प्रदान करने का अनुरोध किया है। प्रशासन द्वारा अनुमति मिलने के बाद कार्यक्रम की अंतिम रूपरेखा जारी की जाएगी।

भाजपा सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को किया बर्बादः अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष का आरोप- स्कूल बंद किए जा रहे, छात्रों और युवाओं के भविष्य से हो रहा खिलवाड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है, जिससे छात्रों और युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा से दूर करना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में 22 हजार से अधिक प्राथमिक विद्यालयों को विलय (मर्जर) और अन्य कारणों का हवाला देकर बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के मंदिरों की बदहाली के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि जहां से बच्चों की शिक्षा की शुरुआत होती है, भाजपा सरकार वहीं से व्यवस्था को कमजोर कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी स्कूलों में छात्रों को मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। कई विद्यालयों के भवन जर्जर स्थिति में हैं, कहीं बिजली और पंखों की समस्या है तो कहीं बारिश के दौरान छतों से पानी टपकने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि

भाजपा सरकार के एजेंडे में शिक्षा और रोजगार कभी प्राथमिकता नहीं रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की गलत नीतियों के कारण प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था लगातार कमजोर हो रही है और छात्र-नौजवान अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि देशभर के छात्र भाजपा की शिक्षा नीतियों से नाराज हैं और आने वाले समय में युवा इसका जवाब देंगे। अखिलेश यादव ने भाजपा पर नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस सरकार ने नए स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय बनाने के बजाय पुराने संस्थानों को कमजोर किया है। सपा अध्यक्ष ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार इसे तोड़ने की कोशिश कर रही है। गवाह है कि विश्वविद्यालयों को नुकसान पहुंचाने वाले कभी समाज के हितैषी नहीं रहे। उन्होंने शिक्षा संस्थानों की सुरक्षा और मजबूती की मांग की।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा से दूर करना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्र प्रदेश में 22 हजार से अधिक प्राथमिक विद्यालयों को विलय (मर्जर) और अन्य कारणों का हवाला देकर बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के मंदिरों की बदहाली के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है।

संक्षिप्त खबरें

राजकीय आईटीआई अलीगंज में प्रवेश शुरू, आवेदन की अंतिम तिथि 4 अगस्त

लखनऊ। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश की ओर से प्रदेश के सभी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज, लखनऊ में विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 4 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। राजकीय आईटीआई अलीगंज के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि अभ्यर्थी अपनी शैक्षिक योग्यता के अनुसार कक्षा-8 या कक्षा-10 उत्तीर्ण होने के आधार पर लखनऊ जनपद के आईटीआई में संचालित विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी परिषद की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान में फिटर, टर्नर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, वायरमैन, वेल्डर, प्लंबर, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, ड्राफ्ट्समैन (मैकेनिकल एवं सिविल), इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, मोटर वाहन मैकेनिक सहित कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

मध्यस्थता अभियान 3.0 शुरू, आपसी सुलह से होगा विवादों का त्वरित समाधान

लखनऊ। लंबित विवादों के शीघ्र और स्थायी समाधान के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की ओर से 'मध्यस्थता अभियान 3.0' शुरू किया जा रहा है। यह अभियान 1 अगस्त 2026 से 30 दिसंबर 2026 तक संचालित होगा। अभियान का उद्देश्य पक्षकारों के बीच आपसी संवाद, सुलह और समझौते के माध्यम से विवादों का त्वरित निस्तारण करना है। यह अभियान उच्चतम न्यायालय की मीडिएशन एवं कन्सिलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के तहत चलाया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के प्रभारी सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि मध्यस्थता एक स्वैच्छिक, गोपनीय और न्यायसंगत प्रक्रिया है।

कारगिल विजय दिवस पर छात्राओं ने दी देशभक्ति की प्रस्तुति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर नगर निगम गर्ल्स इंटर कॉलेज, कश्मीरी मोहल्ला की छात्राओं द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। छात्राओं ने अपने गीत, नृत्य एवं प्रेरक प्रस्तुतियों के माध्यम से कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को नमन करते हुए उपस्थित सभी लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार किया। विद्यालय परिवार ने भी कारगिल के अमर वीरों के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके सर्वोच्च बलिदान को स्मरण किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या मृदुला द्विवेदी एवं शिक्षकों ने छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी में देशप्रेम, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

टूटी पुल की रेलिंग दे रही हादसे को न्योता

- लोहे की टूटी रैलिंग की जगह बंधी नारियल रस्सी।
- कांवड़ यात्रा में बचे मात्र दो दिन।कभी भी हो सकता हादसा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। कांवड़ यात्रा शुरू होने में मात्र दो ही दिन शेष बचे हैं फिर भी जहांगीराबाद स्थित केवानी नदी के पुल की टूटकर गायब हुई लोहे की रैलिंग आज तक सही नहीं कराई जा सकी है जिससे इस मार्ग से होकर निकलने वाले कांवड़ियों के लिए खतरा बना हुआ है।गायब लोहे की रैलिंग की जगह किसी ने नारियल की रस्सी बांध दी है। कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है। बहुत समय पहले से पुल की पूर्वी रैलिंग एक जगह पर काफी दूरी तक टूटकर गायब है फिर भी आजतक किसी जिम्मेदार अधिकारी की नजर इस पर नहीं

पड़ी जबकि प्रतिदिन इस बहुचालित सीतापुर-बहराइच मार्ग पर दिन-रात हजारों लोगों का आवागमन बना रहता है। इसके अलावा अधिकारी भी इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं।यह टूटी रैलिंग किसी बड़ी दुर्घटना के इंतजार में है। गौरतलब है कि श्रावण मास शुरू हो चुका है और पूरे माह के प्रत्येक रविवार व सोमवार को लाखों की संख्या में कांवड़िया चहलारी घाट से पवित्र सरयू (घाघरा) नदी से जल भरकर कांवड़ लेकर पैदल एवं वाहनों से बिसवां स्थित पत्थर शिवाला में भगवान शिव का जलाभिषेक करने जाते हैं। इस पवित्र केवानी नदी से भी काफी कांवड़िया जल भरते हैं। श्रावण मास के प्रत्येक रविवार को पूरी रात कांवड़ियों का इसी मार्ग से होकर निकलना होता है। यदि रैलिंग की मरम्मत नहीं कराई गई तो कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इस सम्बन्ध में ए0ई0 पी0डब्ल्यू0डी0 जितेन्द्र मिश्र ने बताया कि मुझे जानकारी नहीं है। मैंने नहीं देखा है। मैं अभी किसी को भेजकर दिखवाता हूं और जो भी मरम्मत होनी है उसे शीघ्र करवा दिया जायेगा।

कृत्रिम गर्भाधान योजना के लिए यूपी सरकार ने मंजूर किए 2 करोड़ रुपये

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में पशुधन विकास को गति देने और कृत्रिम गर्भाधान योजना के बेहतर संचालन के लिए चालू वित्तीय वर्ष में 2 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। इस संबंध में पशुधन विभाग की ओर से शासनादेश जारी कर दिया गया है। शासनादेश के अनुसार, स्वीकृत धनराशि का उपयोग कृत्रिम गर्भाधान योजना के सुनियोजित और सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के लिए किया जाएगा। पशुपालन विभाग के निदेशक, प्रशासन एवं विकास को निर्देश दिए गए हैं कि धनराशि का आहरण और व्यय निर्धारित कार्ययोजना तथा योजना की गाइडलाइन के अनुसार ही सुनिश्चित किया जाए। सरकार ने स्पष्ट किया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल उसी मद और उद्देश्य के लिए किया जाएगा, जिसके लिए इसे मंजूरी दी गई है। इसके अलावा विभाग को खर्च का पूरा विवरण और उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध कराना होगा।

लखनऊ में अतिक्रमण, गंदगी और प्रतिबंधित पॉलीथीन के खिलाफ नगर निगम का बड़ा अभियान

विभिन्न जोनों में कार्रवाई, ठेले-गुमटियां हटाईं, चालान कर वसूला शमन शुल्क

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। शहर को अतिक्रमण मुक्त, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नगर निगम लखनऊ ने शुक्रवार को विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक अभियान चलाया। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर चलाए गए इस विशेष अभियान में अवैध अतिक्रमण, सड़क किनारे फैली गंदगी, प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग और यातायात में बाधा बनने वाली गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। नगर निगम की टीमों ने अलग-अलग जोनों में पहुंचकर अतिक्रमण हटाने के साथ ही सफाई व्यवस्था को भी दुरुस्त कराया। अभियान के दौरान कई स्थानों पर चालान काटे गए और नियमों का उल्लंघन करने वालों से शमन शुल्क भी वसूला गया। जोन-2 में जोनल अधिकारी मनोज कुमार यादव के

नेतृत्व में कन्वेंशन सेंटर के आसपास, मेडिकल चौराहा, ऐशबाग चौराहा, गुड शेड रोड और भूसा मंडी रोड क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नालियों की सफाई, सड़कों की सफाई, कूड़ा उठान और एंटी लार्वा छिड़काव का कार्य कराया गया। नगर निगम की टीम ने प्रवर्तन दल (296) के सहयोग से गंदगी फैलाने वालों और प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करने वालों पर कार्रवाई की। इस दौरान गंदगी फैलाने के मामले में दो चालान कर 3 हजार रुपये तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर दो चालान कर 3 हजार रुपये शमन शुल्क वसूला गया। नगर निगम जोन-5 की टीम ने हरदोई रोड से विक्रम नगर पुल तक सड़क किनारे किए गए अवैध अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान सड़क पर लगाए गए 8 ठेले, 3 गुमटियां और 3 काउंटर हटाए गए। इसके अलावा टीम ने एक लोहे की बेंच और दो ठेले भी जब्त किए। अतिक्रमण करने वालों को भविष्य में दोबारा कब्जा न करने की चेतावनी दी गई। इस अभियान में अतिक्रमण के खिलाफ 3 हजार रुपये तथा गंदगी एवं प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग पर भी 3 हजार रुपये शमन शुल्क वसूला गया। कार्रवाई जोनल अधिकारी विनीत कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। इसमें कर अधीक्षक सभाजीत सिंह, जोनल सेनेटरी अधिकारी सचिन सक्सेना, राजस्व निरीक्षक राजू कुमार, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक सुभाष चौधरी, प्रवर्तन दल और पुलिस बल शामिल रहे। जोन-8 क्षेत्र में भी नगर निगम ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। जोनल अधिकारी आशीष सिंह के नेतृत्व में तेलीबाग चौराहे से सेक्टर-5 तक कार्रवाई की गई।

जैन आर्यिका संघ का महमूदाबाद में मंगल चतुर्मास प्रारंभ,श्रद्धालुओं ने लिया धर्मलाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। नगर स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में श्री 108 विराग सागर जी मुनिराज की शिष्या आर्यिका श्री 105 विविक्त श्री माताजी ससंघ का मंगल चतुर्मास विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ संपन्न हुआ। चतुर्मास स्थापना एवं कलश प्रतिष्ठा का आयोजन प्रतिष्ठाचार्य भैया आशीष पुण्यान्स तथा संगीतकार लोकेश जैन (भोपाल) के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में जैन श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में दरियाबाद, फतेहपुर, पेतेपुर, बेलहरा, बाराबंकी, रामपुर मथुरा,त्रिलोकपुर बिसवां, भिंड (मध्य प्रदेश), बड़ागांव सहित विभिन्न नगरों से आए श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पुण्य अर्जित किया।

मंदिर परिसर में पूरे आयोजन के दौरान भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने आर्यिका संघ का आशीर्वाद प्राप्त कर धर्म, संयम एवं सदाचार के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। आयोजन के सफल संचालन में जैन समाज के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा।

संपादकीय

बेरोजगारों को संबल

देश में युवा मन के सपनों और भविष्य की चिंताओं के मद्देनजर हरियाणा सरकार एक्शन मोड में नजर आ रही है। कहीं न कहीं दिल्ली समेत देश के अन्य राज्यों में हुए छात्र आंदोलन के बाद आज युवा सरकार की नीतियों के केंद्र में हैं। इसी कड़ी में हरियाणा की नायब सरकार ने सीईटी पास युवाओं की सुध ली है। जाहिर है सभी सीईटी पास युवाओं को रोजगार नहीं मिल पाता। कई युवा परीक्षा पास करने के बाद भी वर्षों तक बेरोजगार बने रहते हैं। एक्शन में आई हरियाणा सरकार ने ऐसे पांच लाख चालीस हजार से अधिक बेरोजगार युवाओं की पहचान की है, जिन्हें परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद रोजगार नहीं मिला। इसके बाद 'विकसित भारत विजन 2047' के तहत रोजगार, कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग तथा हरियाणा कौशल विकास मिशन की बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस बात पर बल दिया कि कौशल विकास योजनाओं को सिर्फ प्रशिक्षण तक ही सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें सीधे रोजगार से भी जोड़ा जाए। सरकार ने कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी सीईटी पास युवाओं को प्रति माह सौ घंटे का काम उपलब्ध कराने की घोषणा की है। वहीं दूसरी ओर यदि उन्हें दो साल तक रोजगार नहीं मिलता, तो सक्षम युवा योजना के तहत भत्ता दिया जाएगा। निश्चित रूप से सभी बेरोजगारों को काम व भत्ता देना व्यावहारिक भले नहीं लगे, लेकिन बेरोजगारों की बड़ी संख्या को फौरी तौर पर संबल जरूर मिलेगा। दरअसल, विगत में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2016 में युवाओं के लिए एक ऐसी ही योजना लाई गई थी, जिसमें सालाना 1 लाख 80 हजार से कम आय वाले परिवार के युवाओं को 9 हजार का मासिक भत्ता देने की बात कही गई थी। वहीं, महीने में निर्धारित समय तक काम देने के भी प्रयास हुए थे। लेकिन वास्तव में ऐसी आदर्श योजना के क्रियान्वयन में व्यावहारिक दिक्कतों को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। विगत में हरियाणा के युवाओं को प्रकृति से जोड़ने व रोजगार के अवसर मुहैया कराने के अभिनव प्रयास भी मनोहर लाल सरकार के दौरान हुए थे, जिसमें बेरोजगार युवाओं को पौधा लगाने का दायित्व दिया गया था। इसमें गड्ढे खोदने, पौधे लगाने और उनकी निरंतर देखभाल करने के लिए मानदेय निर्धारित किया गया था। उद्देश्य था कि जो पौधे लगें, वे जीवित भी रहें और युवा प्रकृति से जुड़ें। नायब सरकार की नई मुहिम इसी कड़ी का विस्तार माना जा सकता है। वहीं दूसरी ओर, नायब सरकार समय की जरूरतों के हिसाब से शिक्षा देने के प्रयासों में गंभीर नजर आती है। इसी कड़ी में एआई प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है। सरकार पंचकूला व गुरुग्राम में एआई हब विकसित करने जा रही है, जिसके अंतर्गत दो लाख युवाओं को हाई-स्किल ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके अंतर्गत एआई, रोबोटिक्स और ड्रोन तकनीक का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके लिए अतिरिक्त बजट का भी प्रावधान किया गया है। इतना ही नहीं, मॉडल आईटीआई और पॉलिटेक्निक में एआई प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है, वहीं सामान्य स्कूलों व कॉलेजों में इस बात पर बल दिया जा रहा है कि छात्र व छात्राओं को व्यवसायपरक शिक्षा दी जाए, जिससे युवा सिर्फ नौकरियों के भरोसे न बैठे रहें और खुद का काम-धंधा शुरू कर सकें। विडंबना यह है कि 21वीं सदी में भी भारतीय युवा सरकारी नौकरी के सम्मोहन से मुक्त नहीं हो पा रहा है। बढ़ती आबादी और घटती सरकारी नौकरियों ने इस संकट को बढ़ाया है। आज जरूरत इस बात की है कि छात्रों में नवाचार व कौशल विकास के जरिये आत्मनिर्भर बनने का जज्बा पैदा किया जाए, जिससे वे खुद ही आर्थिक रूप से सक्षम न बनें, बल्कि दूसरों को भी रोजगार देने की स्थिति में आ जाएं। आज वैश्विक स्तर पर जारी राजनीतिक अस्थिरता व सिमटते रोजगार के अवसरों के बीच देश के युवाओं को रोजगार मुहैया कराना सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत युवाओं का देश है। यदि हम हर हाथ को काम न दे सके, तो युवाओं की शक्ति व क्षमताओं का लाभ उठाने के अवसर से वंचित हो जाएंगे।

सामूहिक विवाह योजना से गरीब परिवारों को सहारा

(आदर अदीब पावेल बन्धु)
जिला सूचना अधिकारी

भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं बल्कि दो परिवारों, संस्कृतियों और परंपराओं का संगम होता है। किन्तु समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए विवाह एक बड़ी चुनौती बन जाता है। बढ़ते खर्च, सामाजिक दबाव और परंपरागत रीति-रिवाजों के कारण गरीब परिवारों को अपनी बेटियों के विवाह में भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। इसी समस्या के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अक्टूबर 2017 को 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' का शुभारंभ किया गया है। यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि समाज में समानता, सादगी और सामूहिकता की भावना को भी बढ़ावा देती है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराना है। इसके अंतर्गत सरकार एक ही स्थान पर कई जोड़ों का सामूहिक विवाह कराती है, जिससे विवाह में होने वाला अनावश्यक खर्च कम होता है। इसके साथ ही यह योजना दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को समाप्त करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करना, विवाह में सादगी को बढ़ावा देना, दहेज प्रथा पर रोक लगाना, सामाजिक समरसता और समानता को बढ़ावा देना, महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को सुनिश्चित करना इस योजना के मुख्य उद्देश्य हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की कई महत्वपूर्ण विशेषताएँ हैं, जो इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बनाती हैं। इसमें पात्र को अब रू0 1 लाख तक (जिसमें रू0 35,000-रू0 60,000 नकद, रू0 10,000 रू0 25,000 का सामान, और शेष आयोजन खर्च के लिए) आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह राशि सीधे बैंक खाते में भेजी जाती है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है। सामूहिक आयोजन में विवाह समारोह एक ही स्थान पर कई जोड़ों के साथ आयोजित किया जाता है। इसमें सभी धार्मिक रीति-रिवाजों का ध्यान रखा जाता है। राज्य सरकार द्वारा दुल्हन को विवाह के लिए आवश्यक सामग्री जैसे कपड़े, आभूषण, घरेलू उपयोग की वस्तुएँ आदि भी उपलब्ध कराई जाती हैं। यह योजना सभी धर्मों और वर्गों के लोगों के लिए खुली है, जिससे सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलता है। पात्र लाभार्थी ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से आसानी से आवेदन कर सकते हैं। पात्रता मानदंड के अंतर्गत आवेदक राज्य का स्थायी निवासी होना चाहिए, परिवार की आय निर्धारित सीमा से कम होनी चाहिए, विवाह योग्य आयु (लड़की 18 वर्ष और लड़का 21वर्ष) पूरी होनी चाहिए, परिवार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (BPL या अन्य श्रेणी) में आता हो इस योजना का लाभ उठाने के लिए कुछ आवश्यक पात्रता शर्तें निर्धारित की गई हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अनेक सामाजिक और आर्थिक लाभ हैं जैसे-गरीब परिवारों को विवाह के लिए कर्ज लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे वे आर्थिक संकट से बच जाते हैं। सामूहिक विवाह के कारण दहेज की मांग स्वत: कम हो जाती है, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। इस योजना के तहत सभी वर्गों के लोग एक साथ विवाह करते हैं, जिससे भेदभाव कम होता है। सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद करती है। यह योजना भव्यता के बजाय सादगीपूर्ण विवाह को प्रोत्साहित करती है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ने समाज पर गहरा सकारात्मक प्रभाव डाला है। पहले जहां गरीब परिवार अपनी बेटियों के विवाह के लिए चिंतित रहते थे, अब उन्हें एक सुरक्षित और सम्मानजनक विकल्प मिल गया है। यह योजना सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने में भी सहायक सिद्ध हो रही है। सामूहिक विवाह में दहेज की परंपरा कम हो जाती है। विभिन्न जाति और धर्म के लोग एक मंच पर आते हैं। आर्थिक सहायता से गरीब परिवारों की स्थिति बेहतर होती है। व्यापक प्रचार-प्रसार, पारदर्शी व्यवस्था और डिजिटल भुगतान, समाज में जागरूकता अभियान चलाना इस योजना की महत्वपूर्ण चुनौतियां एवं सुझाव हैं। निसंदेह, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना एक ऐसी पहल है, जो समाज के कमजोर वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। यह न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने और समानता स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि इस योजना का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन किया जाए और अधिक से अधिक लोगों तक इसकी जानकारी पहुँचाई जाए, तो यह समाज में एक नई दिशा प्रदान कर सकती है। अंतत: यह योजना 'सादगी, समानता और सम्मान के सिद्धांतों पर आधारित एक प्रेरणादायक कदम है, जो न केवल गरीब परिवारों के लिए सहारा है बल्कि पूरे समाज के लिए एक आदर्श भी प्रस्तुत करती है।

बढ़ते अरबपति गतिशील इकोनोमी के परिचायक

एक बात तो साफ हो जानी चाहिए कि देश की इकोनोमी में तेजी से बदलाव देखा जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा पिछले दिनों में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों का ही विश्लेषण करें तो दो बातें साफ हो जाती है कि देश में अरबपतियों की संख्या में बेतहासा बढ़ोतरी हो रही है तो दूसरी और इंकमटैक्स रिटर्न भरने वालों की भी संख्या में इजाफा हो रहा है। संसद में पेश आंकड़ों के विश्लेषण से यह साफ हो रहा है कि आयकर रिटर्न में 100 करोड़ से अधिक की आय बताने वालों की संख्या 2021-22 की 142 से बढ़कर 576 हो गई है। आयकर रिटर्न के अनुसार पिछले सालों एक अरब से अधिक आय वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इसे गतिशील अर्थ व्यवस्था का परिचायक माना जा सकता है। पिछले पांच साल के आंकड़ों का ही विश्लेषण किया जाएं तो देश में बेरोजगारी की दर में भी कमी आई है। हांलाकि सरकार इसके लिए अपनी लोककल्याणकारी नीतियों को श्रेय देती है। आयकर प्रक्रिया में सुधार, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से सीधा लाभ, खाद्य, स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, परिवहन , पानी बिजली आदि आदि की जनहितकारी योजनाओं और निवेशोन्मुखी माहौल से देष में तेजी से सुधार का माहौल बना है। हांलाकि देश के कुल परिसंपत्तियों में 50 फीसदी से अधिक लोग केवल 2 प्रतिशत की ही हिस्सेदारी रखते हैं। अच्छी बात यह है कि आज की युवा पीढ़ी सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ रही है और युवकों के साथ ही महिलाओं की भागीदारी भी तेजी से बढ़ रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एक सकारात्मक पक्ष यह है कि समन्वित प्रयासों से अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नए क्षेत्रों को तेजी से व योजनाबद्ध तरीके से बढ़ावा दिया गया है। परंपरागत क्षेत्रों के साथ ही नए क्षेत्रों में अवसर खुले हैं और इसका सबसे अधिक लाभ युवा पीढ़ी उठा रही है। एक आंकड़ें के अनुसार 425 करोड़ से अधिक की संपत्ति वाले 3040 में से 1696 ऐसे उद्यमी है जो नई पीढ़ी और पहली पीढ़ी के हैं। नई पीढ़ी से मतलब यह है कि यह वे नए लोग है जो पंरपरागत या धनकुबेरों के परिवारों से नहीं आते अपितु अपने स्तर पर इस मुकाम पर पहुंचने वाले हैं। यही अर्थव्यवस्था का सकारात्मक पक्ष हो जाता है। सरकारी नीतियों और युवाओं में नया करने की ईच्छा शक्ति का परिणाम है कि नए क्षेत्रों में स्टार्टअप या एमएसएमई के मध्यम से युवाओं ने पहल की और अर्थ व्यवस्था को गति देने के साथ ही निवेश, रोजगार के अवसर विकसित किये। सरकार ने भी उत्पादन आधारित प्रोत्साहन यानि की पीएलआई से युवाओं को जोड़कर कुछ नया करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके परिणाम भी अच्छे प्राप्त हुए हैं। साल दर साल आयकर रिटर्न भरने वाले और आयकर देने वालों की संख्या में बढ़ोतरी इसका उदाहरण है। यह सब सरकार की सकारात्मक नीतियों से ही संभव हो सकता है।एक बात साफ हो जानी चाहिए कि सरकार की नीतियों का अर्थ व्यवस्था को गति देने में खास भूमिका होती है। आज दुनिया के देशों में ईज ऑफ डूइंग पर जोर दिया जा रहा है। देशों में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष और देशी विदेशी निवेश बहुत कुछ सरकार की नीतियों पर निर्भर करता है। बुनियादी ढांचा विकास, उद्योगों को प्रोत्साहन, सेवा क्षेत्र में विस्तार, स्टार्टअप्स को बढ़ावा, जीएसटी एक देश एक कर की नीति, डिजिटल भुगतान और विनिर्माण क्षेत्र में विस्तार से औद्योगिक माहौल बनता है। एक बात और की एमएसएमई आर्थिक विकास की रीढ होती है। इसे ग्रोथ इंजन भी कहा जा सकता है क्योंकि इससे अर्थ व्यवस्था को गति मिलती है तो स्थानीय स्तर पर बड़ी मात्रा में रोजगार के अवसर भी एमएसएमई सेक्टर में ही विकसित होते हैं। यही कारण है प्रोडक्सन लिंक इंसेटिंव जैसी योजनाओं और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने से युवा रोजगार मांगने की जगह रोजगार प्रदाता बनने का सपना देखता है और इसमें कोई दे राय नहीं कि एमएसएमई सेक्टर में अधिक रोजगार के अवसर विकसित होते हैं। अर्थ व्यवस्था को गति मिलती है। हांलाकि बड़े उद्योगों का अपना महत्व हे और उससे इंकार नहीं किया जा सकता। एक और बात यह है कि देश में निवेशोन्मुखी माहौल बन रहा है। राज्यों द्वारा अब निवेशकों को आकर्षित और आमंत्रित करने के लिए अन्य राज्यों के साथ ही प्रोस्पेक्टिव विदेशों में रोड शो सहित विभिन्न आयोजन कर निवेश का माहौल बनाया जाता है। राज्यों द्वारा निवेश सम्मेलन और निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए आयोजन आम होते जा रहे हैं। इसके परिणाम भी आने लगे हैं। यह भी साफ है कि उद्योग लगाने के लिए निवेश आयेगा तो रोजगार, कारोबार के साथ ही नई तकनीक और इसके साथ ही अन्य कई चीजें आयेगी और उसका लाभ देश और देश की अर्थ व्यवस्था को ही मिलेगा।

बार-बार कॉफी, मीठे की तलब और चिड़चिड़ापन... कम नींद के हो सकते हैं संकेत

लाइफस्टाइल डेस्क। आज की व्यस्त जीवनशैली में पर्याप्त नींद न लेना आम बात हो गई है, लेकिन इसकी अनदेखी स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, बार-बार चाय या कॉफी की जरूरत महसूस होना, मीठा खाने की इच्छा बढ़ना, छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आना और ध्यान केंद्रित करने में परेशानी जैसे लक्षण कम नींद के संकेत हो सकते हैं। पर्याप्त नींद न मिलने पर शरीर ऊर्जा बनाए रखने के लिए कैफीन और मीठे खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ा देता है। इसके साथ ही भूख नियंत्रित करने वाले हार्मोन भी प्रभावित होते हैं, जिससे जंक फूड और अधिक कार्बोहाइड्रेट वाले खाद्य पदार्थ खाने की इच्छा बढ़ सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि नींद की कमी का असर मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। ऐसे में व्यक्ति अधिक चिड़चिड़ा हो सकता है, छोटी बातों पर गुस्सा आ सकता है और निर्णय लेने या किसी काम पर ध्यान लगाने में कठिनाई हो सकती है। लगातार कम नींद लेने से रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हो सकती है, जिससे सर्दी, जुकाम और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। अच्छी और पर्याप्त नींद शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ दिमाग को व्यवस्थित करने और प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि, विशेषज्ञ यह भी बताते हैं कि ये लक्षण केवल नींद की कमी के कारण ही नहीं होते। तनाव, चिंता, थायरॉयड की समस्या, पोषण की कमी, रक्त शर्करा में गड़बड़ी या कुछ दवाओं के प्रभाव से भी ऐसे संकेत दिखाई दे सकते हैं। यदि ये समस्याएं लंबे समय तक बनी रहें, तो चिकित्सकीय सलाह लेना उचित रहेगा।

जिमेदारियों के बोझ से दूर सुकून और उमंग की उड़ान

सावन के महीने का महिलाओं से गहरा संबंध है। सावन आते ही उनके हाथों में मेहंदी और होंठों से कजरी गीत फूट पड़ते हैं। सावन वह महीना होता है, जब महिलाएं घर-परिवार की जिम्मेदारियों के बीच अपने लिए भी कुछ समय निकालती हैं। वे अपनी सखियों से मिलती हैं, सामूहिक रूप से टोलियां बनाकर गीत गाती हैं और लोक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाती हैं। देश के लगभग हर क्षेत्र में सावन के महीने का रीति-रिवाजों से गहरा नाता है। जब धरती हरियाली की चादर ओढ़ती है, तो मानो स्त्री को भी अपनी ताल से ताल मिलाने के लिए हरी चूड़ियां और मेहंदी रचाने के लिए प्रेरित करती है। वास्तव में यह हरापन सावन के उल्लास का सबसे जीवंत हिस्सा होता है। सावन में यूं तो बहुत सारे त्योहार होते हैं और उनमें हर एक का रिश्ता विशेष रूप से स्त्रियों से होता है।तीज, जिसे सावनी तीज भी कहते हैं, उसका रिश्ता तो विशेष रूप से महिलाओं से ही होता है। राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब और अन्य अनेक राज्यों में तीज का त्योहार केवल एक धार्मिक अनुष्ठान के रूप में नहीं मनाया जाता, बल्कि आधी दुनिया के सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में भी इसे देखा जाता है। विवाहित महिलाएं तीज में अपने परिवार के सुख की कामना करती हैं, जबकि अविवाहित युवतियां अपने लिए अच्छे जीवनसाथी की इच्छा करती हैं। तीज का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यही है कि वह महिलाओं को सामाजिक मेल-मिलाप का मौका देती है। तीज के अवसर पर विवाहित महिलाएं अपने मायके आती हैं और विवाह पूर्व की अपनी सखियों से गले मिलती हैं। उनके साथ झूला झूलती हैं, गीत गाती हैं और सामूहिक उत्सव के धमाल में शामिल होती हैं, जिससे उनका फिर से एक बार विवाह पूर्व का बेफिक्र जीवन जीवित हो जाता है।वास्तव में तीज का त्योहार महिलाओं का सबसे पसंदीदा त्योहार है। इसकी बदौलत वे हर साल एक बार अपने विवाह पूर्व का बेफिक्र, अलहड़ जीवन जी पाती हैं और इस तरह अपने जीवन में भावनात्मक संतुलन बनाती हैं। सावन में भारतीय महिलाओं के लिए उनका मायका उनके लिए केवल एक और जगह भर नहीं होता, बल्कि शादी के बाद भी उनके जीवन का सुरक्षित और भावनात्मक कोना होता है। शायद इसी संवेदनशील सोच को ध्यान में रखकर सावन के महीने में ब्याहता बेटियों को घर बुलाने की अनिवार्य परंपरा बनाई गई है ताकि उन्हें यह न लगे कि शादी के बाद मायके में उनकी कोई पूछ ही नहीं रह गई या अगर उनके जीवन में कुछ नकारात्मक घटित होता है, तो मायके से किसी तरह का आसरा नहीं मिलेगा। आज की इस व्यस्त जीवनशैली में तो ब्याहता महिलाओं का अपने मायके आना और भी भावुक बनाता है, क्योंकि इस तेज रफ्तार जिंदगी में सावन में मायके आने और फिर से बचपन के दिन जीने का मौका मिलना एक तरह से रोजमर्रा की जिंदगी के तनावों से मुक्त होना होता है।सावन के महीने में जब महिलाएं अपने घर आती हैं, तो अपनी सखियों से तो मिलती ही हैं, आपस में भाई-बहनों के साथ भी यह उनका सालाना पुनर्मिलन होता है। तीज में महिलाओं के घर आने की इतनी ज्यादा महत्ता है कि लगभग सभी सावनी गीतों में महिलाओं का अपनी मां के यहां आना अनिवार्य विषय होता है। सावन का शृंगार भी आधी दुनिया की सुंदर अभिव्यक्ति है। हाथों में मेहंदी, पैरों में महावर, हरी-हरी चूड़ियां, लहरिया या बंधेज की साड़ियां, फूलों के गजरे और पारंपरिक आभूषण भारतीय लोक सौंदर्य की पहचान हैं। हरा रंग हरियाली और नई ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है, इसलिए सावन में इसका खास महत्व है।

मेष: नए कार्यों की शुरुआत के लिए दिन अनुकूल है। नौकरी में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी।

वृषभ: कार्यस्थल पर सफलता के योग हैं। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। यात्रा लाभदायक हो सकती है।

मिथुन: सोच-समझकर निर्णय लें। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक विवाद से बचें।

कर्क: परिवार में सुखद माहौल रहेगा। नौकरी में पदोन्नति या सम्मान मिलने के संकेत हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

सिंह: आत्मविश्वास बढ़ेगा। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ है। निवेश सोच-समझकर करें।

कन्या: कार्यभार अधिक रहेगा, लेकिन मेहनत का फल मिलेगा। स्वास्थ्य संबंधी छोटी परेशानी हो सकती है। परिवार के साथ समय बिताएं।

तुला: व्यापार में लाभ के योग हैं। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा। यात्रा संभव है।

वृश्चिक: नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ के संकेत हैं।

धनु: भाग्य का साथ मिलेगा। लंबे समय से रुका कार्य पूरा हो सकता है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी।

मकर: धैर्य और संयम बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में चुनौतियां आ सकती हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ: व्यापार में विस्तार के अवसर मिलेंगे। नए लोगों से संपर्क लाभदायक रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मीन: रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी और व्यापार में प्रगति होगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। निवेश के लिए समय अनुकूल है।

निरंतर बढ़ते प्लास्टिक कूड़े के निपटान की चुनौती

धरती पर निरंतर बढ़ता प्लास्टिक कचरा एक प्रमुख पर्यावरणीय समस्या बनकर उभर रहा है। देश में प्रतिवर्ष लगभग 94 लाख टन से लेकर 1.02 करोड़ टन तक प्लास्टिक वेस्ट पैदा होता है। धरती, समुद्र, पहाड़, नदियां -शायद ही कोई कोना प्लास्टिक कचरे की घुसपैठ से बचा हो! सड़कों, गलियों, नालियों में यत्र-तत्र फैंके गए प्लास्टिक के लिफ़ाफ़े अक्सर भूखे जानवरों के गले में फंसकर उनकी मौत तक को न्योता दे सकते हैं। गत दिनों दैनिक ट्रिब्यून में ही प्रकाशित एक ख़बर के अनुसार, हरियाणा में क़रीब चार फुट लंबे कोबरा के पेट में काली पॉलीथिन फंसने से उसकी जान पर बन आई। हिसार स्थित लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के चिकित्सकों ने क़रीब एक घंटे की सर्जरी करके इंसानी लापरवाही के शिकार निरीह जीव को 'प्लास्टिक आफ़त' से निजात दिलाई! देश में 1 जुलाई, 2022 से लागू सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर प्रतिबंध, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत प्लास्टिक के कटलरी-स्ट्रॉ, पतले प्लास्टिक सजावटी सामान तथा गुणवत्ता रहित प्लास्टिक लिफ़ाफ़े प्रतिबंधित होने के बाबजूद ये आम प्रचलन में हैं। विशेषकर, घटिया मेटिरियल से निर्मित प्लास्टिक के लिफ़ाफ़े आज भी देश के अधिकतर हिस्सों में देखे जा सकते हैं। सामान डालने के लिए समुचित व सर्वसुलभ विकल्प उपलब्धता न करा पाना इसमें मुख्य कारण है, जिसके चलते जुर्माने जैसी दंडात्मक कार्रवाई की कोशिश भी खटाई में पड़ती देखी गई।विकास तथा आधुनिकीकरण ने यदि वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक के निर्माण तथा उपभोग में भारी वृद्धि की, तो इसमें मुख्य वजह इसकी बहुउपयोगिता, टिकाऊपन तथा अपेक्षाकृत कम लागत होना है। हालांकि, अविश्वसनीय रूप से लंबे समय तक बने रहने की यही विशेषता पर्यावरण की सेहत के लिहाज़ से हानिप्रद साबित होती है। प्लास्टिक के न सड़ने तथा वर्षों तक ज़मीन के अंदर कायम रहने से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति कम हो जाती है। प्लास्टिक बैग नालियां, सीवेज सिस्टम आदि ब्लॉक करके अस्वच्छता बढ़ाने के साथ बीमारियां फैलाने की वजह बनते हैं।माइक्रोप्लास्टिक के सूक्ष्म कण वायु, जल तथा भोजन के ज़रिए शरीर में प्रविष्ट होकर, मानव व अन्य जीव-जंतुओं के स्वास्थ्य को क्षति पहुंचाते हैं। प्लास्टिक से निकलने वाले रसायनों से हार्मोन असंतुलन, कैंसर जैसी समस्याएं पनप सकती हैं। इसे जलाने से उत्पन्न विषैली गैसें सांस संबंधी गंभीर बीमारियां उत्पन्न करती हैं। प्रतिवर्ष लगभग 80 लाख टन प्लास्टिक कचरे का दुनिया के समुद्रों तथा महासागरों में पहुंचना, समुद्री जीवन के लिए प्रतिकूलताएं लेकर आता है। आर्थिक गतिविधियों पर बोझ डालने वाला प्लास्टिक कचरा जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण बनता है। दरअसल,पर्यावरण व जैव विविधता के लिए गंभीर ख़तरा बन चुका प्लास्टिक कूड़ा वैज्ञानिक चमत्कार के बजाय पारिस्थितिक अभिशाप माना जाने लगा है। प्लास्टिक कचरे का समुचित निस्तारण न हो पाना प्रमुख चुनौती है। देश में रोज़ाना निकलने वाले लगभग 26,000 टन प्लास्टिक कचरे में से क़रीब 60 प्रतिशत कचरे का ही पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) हो पाता है, शेष हिस्सा पर्यावरण अथवा लैंडफिल में बना रहता है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

वन भूमि पर अवैध खनन का आरोप, दो नामजद समेत छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग

तालबेहट । वन रेंज के वनरक्षक ने वन भूमि पर अवैध खनन और वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मामले में दो लोगों को नामजद करते हुए चार अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज करने का अनुरोध किया गया है। तहरीर के अनुसार 29 जुलाई की सुबह करीब 10 बजे सूचना मिली कि रनगवां बीट के अंतर्गत वन क्षेत्र में मिट्टी का अवैध खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉली से परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो वाहन सवार लोग भागने लगे। इस दौरान वन कर्मियों ने रवि यादव और जयपाल यादव , निवासी ग्राम खांदी मजरा गनेशपुर, को पहचान लिया, जबकि उनके साथ मौजूद चार अन्य लोग फरार हो गए। वन विभाग का आरोप है कि आरोपितों ने वन सीमा को पाटकर जंगल की झाड़ियां साफ कर अवैध खनन एवं परिवहन किया, जिससे वन संपदा को नुकसान पहुंचा। तहरीर में यह भी उल्लेख है कि कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा एक चार पहिया वाहन ने वन विभाग की गाड़ी में टक्कर मार दी, जिससे सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। वन विभाग ने भारतीय वन अधिनियम, 1927 की संबंधित धाराओं तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की उपयुक्त धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तलाशः कोचिंग के लिए निकला किशोर लापता

तालबेहट । कस्बा से कोचिंग पढ़ने गया 16 वर्षीय किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग न मिलने पर परिजनों ने तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज कराते हुए पुलिस से खोजबीन की मांग की है। ग्राम खांदी मजरा टेकरी निवासी चंदन प्रजापति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका 16 वर्षीय पुत्र चंचल प्रजापति गुरुवार शाम करीब चार बजे जेके पेट्रोल पंप के सामने स्थित नए बस स्टैंड के पास कोचिंग पढ़ने गया था। कोचिंग समाप्त होने के बाद वह कस्बा बाजार की ओर गया, लेकिन इसके बाद घर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने रिश्तेदारों व संभावित स्थानों पर उसकी काफी तलाश की, लेकिन देर रात तक उसका कोई पता नहीं चल सका। तहरीर के अनुसार, लापता किशोर ने गुलाबी रंग की टी-शर्ट, गुलाबी लोअर और पैरों में नीले रंग की चप्पल पहन रखी थी। उसकी पहचान का विशेष चिन्ह यह है कि उसका दाहिना कान नहीं है। थाना तालबेहट पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस किशोर की तलाश में संभावित स्थानों और आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटा रही है।

45 दिन से फुंका ट्रांसफार्मर, अंधेरे में डूबा थाना गांव का मकरी मोहल्ला

तालबेहट। बिजलीघर तालबेहट क्षेत्र के ग्राम थाना स्थित मकरी मोहल्ले में पिछले 45 दिनों से ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। इससे 80 से अधिक परिवार अंधेरे में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। कई बार शिकायत करने के बावजूद ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली न होने से भीषण गर्मी में रात गुजारना मुश्किल हो गया है। मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से बच्चों और बुजुर्गों के बीमार पड़ने की शिकायतें सामने आ रही हैं। बिजली न मिलने से पेयजल संकट भी गहरा गया है, क्योंकि मोटरें नहीं चल पा रही हैं। वहीं मोबाइल चार्ज न होने और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने से लोगों की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं।

जमीन विवाद में मारपीट, कई घायल; पुलिस से कार्रवाई की मांग

तालबेहट । थाना तालबेहट क्षेत्र के ग्राम म्यांव मजरा सेमरखेड़ा में जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने थाना तालबेहट में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, शुक्रवार को ग्राम म्यांव मजरा सेमरखेड़ा निवासी शिवराम यादव अपने बेड़े में भैंस बांधने गए थे। इसी दौरान जमीन के विवाद को लेकर गांव के ही दीपचंद्र, कालीचरण, रामेश्वर और आशीष यादव वहां पहुंचे। आरोप है कि पहले उन्होंने गाली-गलौज की और विरोध करने पर लाठी-डंडों व लात-घूंसों से मारपीट कर दी। शिवराम के शोर मचाने पर बीच-बचाव के लिए पहुंचे रामदेवी, भगवान सिंह और भूपेंद्र के साथ भी मारपीट की गई। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि घटना में कई लोगों को चोटें आई हैं तथा आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे दूसरे की जमीन का कराया बैनामा, महिला समेत सात पर मुकदमा

ललितपुर। तहसील महरौनी क्षेत्र के ग्राम पठा विजयपुरा में कूटरचित दस्तावेज तैयार कर दूसरे की जमीन का फर्जी बैनामा कराने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि जमीन की गलत चौहद्दी दर्शाकर उस पर बनी बाउंड्रीवाल और पिलरों को भी अपना बताकर बैनामा करा दिया गया। राजस्व विभाग की जांच में शिकायत सही पाए जाने के बाद महरौनी पुलिस ने महिला समेत सात नामजद आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना और आपराधिक षड्यंत्र सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम पठा विजयपुरा निवासी आशीष कुमार पुत्र बृजविहारी ने थाना महरौनी में दर्ज कराई गई तहरीर में बताया कि मौजा पठा विजयपुरा स्थित आराजी संख्या 1307, रकबा 0.082 हेक्टेयर, सिंदवाहा रोड से लगी हुई भूमि राजस्व अभिलेखों में उनके नाम दर्ज है। उक्त भूमि पर उनकी बाउंड्रीवाल और पिलर बने हुए हैं तथा लंबे समय से उनका कब्जा है।

बढ़ती उम्र में ऑस्टियोपोरोसिस करती है अंदर से खोखला : प्राचार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। स्थानीय मेडिकल कॉलेज में भारतीय ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन एवं उत्तर प्रदेश ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के निर्देशन में ललितपुर आर्थोपेडिक क्लब की ओर से एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान चिकित्सकों और चिकित्साकर्मियों को हड्डियों में होने वाली ऑस्टियोपोरोसिस नामक खामोश बीमारी से होने वाले नुकसान के बारे में बताकर विटामिन-डी3 तथा कैल्शियम का महत्व समझाया गया। ललितपुर मेडिकल कॉलेज में ऑर्थोपेडिक क्लब की ओर से डा.आकाश खैरा ने पावर प्वाइंट प्रिजेंटेशन के माध्यम से बताया कि हड्डियों की ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी क्या होती है। हड्डियों के मॉडल प्रतिभागियों के हाथ में देकर उसे तोड़कर बीमारी का महत्व समझाया गया और विटामिन डी3 व कैल्शियम की उपयोगिता समझाई गयी। एक पैर पर बैलेंस बनाकर प्रतिभागियों को उनकी क्षमता का अहसास कराया गया। जागरूकता पैम्पलेट्स बांटकर जागरूक किया गया। ललितपुर आर्थोपेडिक क्लब के मानद सदस्य प्रधानाचार्य डा.मयंक कुमार शुक्ला ने बताया कि कैसे ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी आपकी हड्डियों को खोखला कर देती है। उन्होंने प्रमाणपत्र बांटकर क्लब के सदस्यों को सम्मानित किया और कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम होते रहना चाहिये। मंच से ऑर्थो यूनिट हैड डा.सौरभ साहू ने भी पावर प्वाइंट प्रिजेंटेशन के माध्यम से हड्डियों की बीमारी से बचाव और उपचार के बारे में जानकारी साझा की। क्लब के उपाध्यक्ष डा.एमसी गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान सहायक मैनेजर अनिमेश तिवारी, राजकुमार यादव, आकाश सेन और रिचा व्यास का सहयोग रहा। मेडिकल कॉलेज की ओर से विभागाध्यक्ष डा.महेश नवद्या, डा.मनोज वर्मा, डा.निर्भय सिंह, डा.शुभम असाठी, डा.रोहित जैन, डा.अनुज, फिजियोथेरेपिस्ट डा.सौरभ देवलिया के अलावा दर्जनों चिकित्साधिकारी और अधिकारी/कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

पैतृक जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पनारी में पैतृक भूमि पर कथित अवैध कब्जे और निर्माण कार्य को लेकर एक किसान ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। कई बार शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने परिवार सहित घण्टाघर मैदान पर अनशन पर बैठ गया। इस संबंध में पीड़ित ने जिला प्रशासन ज्ञापन भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। ग्राम पनारी निवासी दयाचन्द पुत्र भगवानदास ने दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि ग्राम स्थित आराजी संख्या 543 एवं 539 उसके स्वामित्व की भूमि है। आरोप है कि गांव के ही संतोष पुत्र ऊदल, खुशी बाई पत्नी संतोष, विनीता पुत्री संतोष, बृजभान पुत्र संतोष तथा भगवानदास पुत्र लल्लू उसकी भूमि पर जबरन कब्जा कर निर्माण कार्य करा रहे हैं। पीड़ित का कहना है कि उसने इस मामले की शिकायत 29 जुलाई 2026 को भी संबंधित अधिकारियों से की थी। शिकायत के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों से बातचीत कर निर्माण कार्य रोकने की हिदायत दी थी। इसके बावजूद आरोपितों ने कथित रूप से निर्माण कार्य जारी रखा और कब्जा हटाने से इनकार कर दिया।

मिशन जागृति कार्यक्रम में महिलाओं व छात्राओं को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालबेहट । मिशन जागृति-2026 के तहत गुरुवार को तालबेहट में महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी अभिजीत सिंह, क्षेत्राधिकारी आशीष मिश्रा, प्रभारी निरीक्षक अशोक वर्मा तथा नवगठित परामर्श केंद्र टीम की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में जीजीआईसी की छात्राओं एवं क्षेत्र की महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा संबंधी उपायों तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने का आह्वान किया। इस अवसर पर नव नियुक्त परामर्श केंद्र तालबेहट की टीम के पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने तथा उन्हें सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा।

ललितपुर पुलिस को मिली दो हाईटेक इंटरसेप्टर बाइक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में ललितपुर पुलिस को बड़ी सौगात मिली है। यातायात निदेशालय द्वारा जनपद को उपलब्ध कराई गई दो इंटरसेप्टर बाइकों को शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई ने पुलिस लाइन परिसर से हरी झंडी दिखाकर यातायात व्यवस्था के लिए रवाना किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इन अत्याधुनिक इंटरसेप्टर बाइकों की मदद से जनपद में ओवरस्पीडिंग करने वाले वाहनों पर प्रभावी निगरानी रखी जाएगी। इसके माध्यम से तेज रफ्तार वाहनों की पहचान कर उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई संभव होगी, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के साथ ही यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और सुचारु बनाया जा सकेगा। इस दौरान एसपी संजीव कुमार बाजपेई ने यातायात प्रभारी आलोक कुमार तिवारी को निर्देश दिए कि इंटरसेप्टर बाइकों का पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ उपयोग किया जाए तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है और नियमों का पालन कराना सभी की जिम्मेदारी है। पुलिस का मानना है कि नई इंटरसेप्टर बाइकों के संचालन से यातायात पुलिस की निगरानी क्षमता बढ़ेगी और तेज रफ्तार व लापरवाही से वाहन चलाने वालों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। इससे आम नागरिकों की सुरक्षा भी मजबूत होगी और सड़क हादसों में कमी आने की उम्मीद है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को तालबेहट पुलिस ने किया गिरफ्तार

तालबेहट। जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना तालबेहट पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध बीएनएस तथा पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की कार्रवाई की है। एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी तालबेहट आशीष मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना तालबेहट पुलिस ने थाना स्थानीय पर दर्ज मु.अ.सं. 283/2026 में वांछित आरोपी ग्राम खांदी के मजरा टपरन निवासी सुरेंद्र कुशवाहा पुत्र कालूराम को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 64(1) एवं 351(3) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4(2) के तहत मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया अपनाई गई।

मुठभेड़ में अंतरराज्यीय चोर गिरफ्तार, दो साथी फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। महरौनी थाना पुलिस ने चोरी की एक बड़ी घटना का खुलासा करते हुए पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक अंतरराज्यीय अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए 2 लाख 23 हजार 560 रुपये नगद, एक अवैध देशी तमंचा, जिंदा कारतूस, खोखा कारतूस और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एएसपी कालू सिंह एवं सीओ महरौनी अरविंद कुमार पांडेय के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार थाना महरौनी में दर्ज मुकदमा संख्या 229/2026 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस में वांछित अभियुक्त की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान 30 जुलाई 2026 की रात करीब 8.30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि चोरी की घटना में शामिल आरोपी ग्राम चढरऊ के पास मौजूद है। सूचना पर थाना महरौनी पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें पुलिस टीम ने अभियुक्त मध्य प्रदेश के जिला राजगढ़ थाना बोड़ा के ग्राम कडिया सांसी निवासी सोनू धापनी पुत्र सुमेर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। वहीं उसके दो अन्य साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने गिरोह के साथ मिलकर लोगों को निशाना बनाता था और मौका पाकर उनके रुपये, सामान व आभूषण चोरी कर लेते थे। आरोपी ने स्वीकार किया कि 29 मई 2026 को सेंट्रल बैंक महरौनी से रुपये निकालकर जा रहे एक व्यक्ति के मोटरसाइकिल में रखे बैग को तहसील महरौनी के पास चोरी किया था। चोरी किए गए रुपयों को गिरोह के सदस्यों ने आपस में बांट लिया था। पुलिस के अनुसार आरोपी के पास से बरामद 2,23,560 रुपये उसके हिस्से के थे। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से पुलिस ने एक 315 बोर का अवैध देशी तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया। इसके आधार पर आरोपी के खिलाफ थाना महरौनी में मुकदमा संख्या 334/2026 धारा 109 बीएनएस एवं 3/25 शस्त्र अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की गई है। इसके अलावा पुलिस ने घटना में प्रयुक्त होंडा साइन बिना नंबर की मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए चोरी के खुलासे के लिए चार पुलिस टीमों का गठन किया गया था।

भक्तामर स्तोत्र सभी संकटों के निवारण का महामंत्र : मुनिश्री विकौशल सागर

महरौनी में 48 दिवसीय श्री भक्तामर विधान का श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

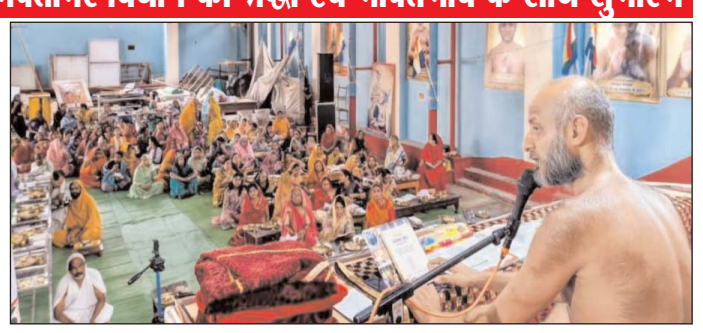

महरौनी। श्री विद्यासागर सभागार स्थित अजितनाथ धाम बड़े मंदिर जी में 48 दिवसीय श्री भक्तामर विधान का शुभारंभ श्रद्धा, आस्था एवं भक्तिभाव के वातावरण में हुआ। विरागमूर्ति मुनिश्री 108 विकौशल सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान जिनेन्द्र के अभिषेक, पूजन एवं शांतिधारा के साथ हुआ। इसके उपरांत विधि-विधानपूर्वक श्री भक्तामर विधान संपन्न कराया गया। पूरे सभागार में भक्तिमय वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने भावपूर्वक पूजा-अर्चना की। अपने मंगल प्रवचन में मुनिश्री विकौशल सागर जी महाराज ने कहा कि भक्तामर स्तोत्र सभी प्रकार के संकटों, भय एवं विघ्न-बाधाओं के निवारण का महामंत्र है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा और अटूट विश्वास के साथ भक्तामर स्तोत्र का पाठ करने से आत्मबल, सकारात्मक सोच एवं आध्यात्मिक चेतना का विकास होता है। भक्तामर का प्रत्येक काव्य मानव जीवन को धर्म, संयम, सदाचार और आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। मुनिश्री ने बताया कि आगामी 48 दिनों तक प्रतिदिन भक्तामर स्तोत्र के एक-एक काव्य का आध्यात्मिक एवं व्यवहारिक दृष्टि से विस्तृत विवेचन किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को धर्म के गूढ़ सिद्धांतों को समझने और जीवन में आत्मसात करने का अवसर मिलेगा। विधान में द्रव्य पूजन सामग्री के पुण्यार्जक राकेश एवं नितिन सतभैया परिवार रहे। आयोजन समिति ने जानकारी दी कि 48 दिवसीय आयोजन के दौरान प्रतिदिन श्री भक्तामर विधान के साथ मुनिश्री के प्रेरणादायी प्रवचन भी आयोजित किए जाएंगे।

बछरावनी में सपा का पीडीए सदस्यता अभियान चला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) सदस्यता अभियान के तहत जनपद की 226 विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बछरावनी में शुक्रवार को सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी डा.नवल किशोर शाक्य का जन्मदिन भी सादगी एवं उत्साह के साथ मनाया गया। उपस्थित महिला एवं पुरुष कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों और वरिष्ठजनों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। सभी का फल वितरित कर सभी का मुंह मीठा कराया गया तथा उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। सभा में अभिलाषा कुशवाहा ने कहा कि पीडीए सदस्यता अभियान का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को जोड़कर संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करना है। उन्होंने सामाजिक समरसता, भाईचारे और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने पर जोर देते हुए अधिक से अधिक लोगों से अभियान में जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों ने सदस्यता अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से लोगों में राजनीतिक जागरूकता बढ़ती है और समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। भजनलाल कुशवाहा ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प भी दोहराया। आयोजकों ने बताया कि पीडीए सदस्यता अभियान आगामी दिनों में भी विभिन्न गांवों में जारी रहेगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की सदस्यता से जोड़ा जा सके और संगठन का विस्तार किया जा सके।

दो माह से वेतन को तरसे आउटसोर्स कर्मचारी, डीएम से लगाई भुगतान की गुहार

ललितपुर। माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत आउटसोर्स चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने जून माह का वेतन न मिलने से उत्पन्न आर्थिक संकट को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारियों और आउटसोर्स एजेंसी की लापरवाही के कारण उन्हें समय पर मानदेय नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनके परिवारों के सामने आर्थिक कठिनाइयां खड़ी हो गई हैं। जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में कर्मचारियों ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से आउटसोर्स व्यवस्था के तहत विभिन्न विद्यालयों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनका कहना है कि पिछले दो वर्षों से जून माह का वेतन नियमित रूप से रोक दिया जाता है, जबकि वह जून माह में भी पूरी जिम्मेदारी और नियमित उपस्थिति के साथ कार्य करते हैं। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि आउटसोर्स एजेंसी बालाजी एंटरप्राइजेज समय पर मानदेय का भुगतान नहीं कर रही है। वहीं, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय द्वारा जून माह की उपस्थिति (अटेंडेंस) समय पर उपलब्ध न कराए जाने के कारण वेतन भुगतान लंबित हो जाता है।

अमेठी से ललितपुर पहुंचीं ईव्हीएम और वीवीपैट मशीनें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के तहत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जनपद में चुनावी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जनपद अमेठी से आवंटित बीईएल मेक एम-3 मॉडल की ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की खेप कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ललितपुर पहुंची। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नामित अधिकारी चकबंदी अधिकारी मसूद शेरवानी सशस्त्र पुलिस बल की अभिरक्षा एवं अधीनस्थ कर्मचारियों की निगरानी में इन मशीनों को अमेठी से ललितपुर लेकर आए। प्राप्त खेप में कुल 90 बैलेट यूनिट (बीयू), 320 कंट्रोल यूनिट (सीयू) और 180 वीवीपैट मशीनें शामिल हैं। मशीनों के ललितपुर पहुंचने के बाद विकास भवन परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस में निर्धारित प्रक्रिया के तहत जमा कराया गया। निर्वाचन प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश सिंह, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी एवं प्रभारी अधिकारी ईवीएम-वीवीपैट राकेश कुमार, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी धर्मेंद्र कुमार मौर्य तथा निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारियों की मौजूदगी में सभी मशीनों को निर्वाचन आयोग के सॉफ्टवेयर पर स्कैन किया गया। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों के रख-रखाव और सुरक्षा व्यवस्था में राजनीतिक दलों की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई। मशीनों को वेयरहाउस में सुरक्षित रखने के दौरान विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

एक हफ्ते में अब फिर छह दिन गुलजार होगी पाली की पान मंडी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाली । बुंदेलखंड में पान की खेती मुख्य तौर पर महोबा और ललितपुर के पाली में ही होती है। बुंदेलखंड के इस पान की मांग बड़े शहरों में खूब होती है लेकिन कोरनाकाल से पाली से बरेली को जाने वाली बस का पहिया पूरी तरह थम गया था । जिसके बाद पान किसानों को अपनी उपज दूर क्षेत्रों में पहुंचाना बड़ी कठिन हो गया था । हालत ऐसे हो गए थे कि स्थानीय मंडी में पान की उपज की बिक्री औने - पौने दामों पर होने लगी , जिस मंडी में सप्ताह में छह दिन की पान खरीद होती थी वहां मंडी में महज दो दिन ही पान की खरीद होने लगी । जिसके बाद किसान लगातार पाली से बरेली की मांग करते आ रहे थे , जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि ,विभिन्न दलों के पदाधिकारी उनकी मांग में अपना सहयोग कर रहे थे , साथ ही पान किसानों की परेशानी को समाचार पत्र भी प्रमुखता से खबरें प्रकाशित कर अधिकारियों का ध्यानाकर्षित करा रहे थे । परिणाम स्वरूप लम्बे इंतजार के बाद पाली को एक बार फिर बरेली को जाने वाली बस मिली तो पान किसानों के चेहरे की खुशी देखते ही बन रही थी तो इस खुशी में सबका साधुवाद भी ज्ञापित किया । जानकारी के लिए बता दे कि बीते डेढ़ से दो दशक पूर्व करीब पाली में पांच सौ परिवार पान की खेती कर अपने परिवार की आजीविका चलाते थे । वक्त के थपेड़ों , प्राकृतिक आपदा ने पान किसानों पर ऐसा बृजपात किया कि अधिकांश पान किसानों ने पान की खेती से तौबा कर महानगरों की ओर रुख कर गए। अब मुश्किल से महज 100 परिवार ही पान की खेती से जुड़े है । आज भी यहां का पान किसान अपने जोखिम पर ही पान की पैदावार कर रहा है, नुकसान होने पर शासन स्तर पर इसी कोई व्यवस्था नहीं कि मुश्किल घड़ी में पान किसानों की मदद कर उनको सहारा दिया जाए। पाली का पान अब मुख्यता फरूखाबाद , बरेली , सहारनपुर को जाता है । कोरानाकाल में जैसे ही पाली से झांसी के रास्ते बरेली को जाने वाली बस बंद हुई तो उसके साथ पान किसान की आर्थिक स्थिति भी बेपटरी होने लगी । गांधी चौक पर जो मंडी एक हफ्ते में छह दिन गुलजार हुआ करती थी उसमें पान की खरीद महज दो दिन ही होने लगी। ऐसे में जब पान अपनी पसंदीदा मंडी तक नहीं पहुंच पा रहा था तो इसके खरीददार भी पान को औने - पौने दामों में खरीदने लगे । लगातार पान की कीमतों में गिरावट देख पान किसान एवं इनसे सहानभूति रखने वाले नागरिकों ने पाली से बरेली जाने वाली बस की मांग रखी ।

संक्षिप्त खबरें

जिला कृषि अधिकारी के संरक्षण में यूरिया की कालाबाजारी किसानों से अवैध वसूली चरम पर

बस्ती। जनपद में जिला कृषि अधिकारी बाबूराम मौर्या के संरक्षण में सरकारी और प्राइवेट खाद दुकानों पर किसानों से सरेआम लूट का खेल चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, जिले में तैनात यह जिम्मेदार अधिकारी कथित तौर पर 'विटामिन एम' की चमक के आगे नतमस्तक हैं, जिसके चलते खाद विक्रेता बेखौफ होकर अवैध वसूली कर रहे हैं। किसानों का सवाल है कि आखिर ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर शासन-प्रशासन कब कार्रवाई करेगा? शासकीय आदेशानुसार सहकारी समितियों पर यूरिया की एक बोरी का निर्धारित रेट 266.50 रुपये है। इसके उलट, समितियों पर किसानों से प्रति बोरी 280 रुपये वसूले जा रहे हैं, और साथ में 10 रुपये अलग से लेबर चार्ज भी थमाया जा रहा है। हाल ही में महसिन स्थित सरकारी समिति से ऐसा ही मामला सामने आया, जहां तय दाम से अधिक वसूली की गई।हैरत की बात यह है कि इस पूरी धांधली की सूचना साक्ष्यों के साथ जिला कृषि अधिकारी को दी गई थी। आरोप है कि कार्रवाई करने के बजाय अधिकारी ने मामले को रफा-दफा कर दिया। रक्षक ही भक्षक बन चुका है, जिससे जनपद का अन्नदाता बेहाल है। किसान संगठनों ने मुख्यमंत्री और उच्चाधिकारियों से इस मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी अधिकारी को तत्काल सस्पेंड करने की मांग की है।

दो गाजा तस्कर धराए 15 किलो गाजा बरामद

मिर्जापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र नहर बाईपास पर बुलेट से जा रहे हैं दो गाजा तस्कर पकड़े गए। मिली मुखबिर सूचना के आधार पर घेराबंदी कर सोनभद्र की तरफ से बुलेट से आ रहे दो संदिग्ध से पूछताछ कर साथ में लिए बोरी को चेक करने पर गांजा पकड़ा गया। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के कुशल नेतृत्व और थाना प्रभारी अजय मिश्रा की सजगता से थाना अहरौरा को बड़ी सफलता मिली। तस्कर मोनू कनौजिया पुत्र स्वर्गीय साधु कनौजिया उम्र लगभग 35 वर्ष निवासी इंदरपुर (सेंट्रल जेल के पास) वाराणसी तथा प्रद्युम्न कनौजिया पुत्र रमेश कुमार उम्र लगभग 29 वर्ष निवासी मुंशीलाटपुर थाना भदोही जनपद भदोही के निवासी हैं उन पर धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर जेल भेज दिया गया, तस्करों से बरामद बुलेट संख्या UP 65DL 8132 मोटर अधिनियम धारा 207 के तहत कार्यवाही करते हुए सीज कर दिया गया।

साप्ताहिक परेड में पुलिस व्यवस्था की समीक्षा

भदोही। पुलिस लाइन ज्ञानपुर में शुक्रवार को आयोजित साप्ताहिक शुक्रवार परेड में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक त्यागी ने परेड की सलामी लेकर पुलिसकर्मियों की अनुशासन एवं एकरूपता का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने टोलीवार ड्रिल का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को इसे और प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। परेड के बाद पुलिस अधीक्षक ने यूपी-112 की गाड़ियों, विभिन्न राजकीय वाहनों तथा सुरक्षा एवं निगरानी में प्रयुक्त ड्रोन कैमरों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने वाहनों की स्थिति, उपकरणों की कार्यक्षमता और साफ-सफाई की जांच कर संबंधित प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कार्यालयों में रखे महत्वपूर्ण रजिस्टरों एवं अभिलेखों के रख-रखाव का भी जायजा लिया और अभिलेखों को अद्यतन एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजकीय वाहनों, उपकरणों एवं अभिलेखों के रख-रखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखते हुए पुलिस कार्यों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए।

10 अगस्त को कृमि मुक्ति अभियान

» 7.67 लाख बच्चों को दी जाएगी दवा

» डीएम ने तैयारियों की समीक्षा कर विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और बाल विकास विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक को निर्देश दिया कि अभियान से पहले सभी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में एल्बेंडाजोल की गोलियां उपलब्ध करा दी जाएं, ताकि कोई भी पात्र बच्चा दवा से वंचित न रहे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 अगस्त 2026 को आयोजित किया जाएगा। वहीं छूटे हुए बच्चों को दवा देने के लिए 14 अगस्त को मॉप-अप दिवस मनाया जाएगा। अभियान के तहत जिले के 1,885 विद्यालयों और 1,492 आंगनबाड़ी केंद्रों पर 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के कुल 7,67,127 बच्चों एवं किशोरों को कृमिनाशक दवा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान के लिए 7,91,715 एल्बेंडाजोल गोलियां उपलब्ध हैं और इन्हें निर्धारित समय पर विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचाया जा रहा है। सभी विभागीय प्रशिक्षण भी पूरे कर लिए गए हैं।

डीएम ने कहा कि कृमि संक्रमण बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने अधिकारियों को अभियान को गंभीरता से संचालित करने और अभिभावकों से बच्चों को निर्धारित तिथि पर दवा दिलाने की अपील की। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

मिर्जापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र के अहरौरा चुनार मार्ग पर रोशनहर गांव के पास गुरुवार रात्रि करीब 8:00 बजे बाइक सवार का ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई। थाना क्षेत्र के रोशनहर गांव के पास बाइक सवार मनोज पुत्र शिवदास निवासी कोटा गुरमुरा थाना चोपन उम्र 28 वर्ष अपने घर गुरमुरा से अहरौरा सोनपुर एक प्लाट पर कार्य हेतु के लिए जाते समय रोशनहर गांव के पास घटी घटना पर ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस मृतक का शव लेकर अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया। ट्रैक्टर (बोगा) को पुलिस ने कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई। ग्रामीणों का कहना है कि ट्रैक्टर में 500-500 फीट की ट्रॉली जोड़कर ओवरलोड गिट्टी पत्थर का परिवहन किया जाता है, जो की असंतुलित स्पीड और तेज आवाज में स्पीकर पर गाना की आवाज पर खराटे भरते हैं। जो की मानक के अनुरूप नहीं है। लेकिन अब सत्यता क्या है इन लोगों को परमिट कैसे मिलता है यह तो जिम्मेदार विभाग ही बता सकता है।

चोरी की बैटरियों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। ऊंज थाना पुलिस ने चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ट्रक की चोरी गई दो बैटरियां बरामद की हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार, कोईरौना थाना क्षेत्र के रइयापुर निवासी रमेश यादव, जो जीटी रोड स्थित मिर्जापुरी फिलिंग स्टेशन (नवधन) में मैनेजर हैं, ने तहरीर देकर बताया था कि पेट्रोल पंप परिसर में खड़े एक ट्रक कंटेनर की सुरक्षा के लिए निकाली गई डायनेक्स कंपनी की दो बैटरियां 29/30 जुलाई की रात अज्ञात चोर चोरी कर ले गए थे। तहरीर के आधार पर ऊंज थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मिर्जापुरी फिलिंग स्टेशन के पास कलिंजरा नहर पुलिया के समीप से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी की गई दोनों बैटरियां बरामद कर ली गई। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान करन पुत्र राजू निवासी पक्का पोखरा, घोसिया थाना औराई तथा सलीम शेख पुत्र दानिश शेख, मूल निवासी जिला वीरभूम (पश्चिम बंगाल), हाल निवासी मेवड़पुर थाना गोपीगंज के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपितों ने स्वीकार किया कि उन्होंने मिर्जापुरी फिलिंग स्टेशन से ट्रक की बैटरियां चोरी की थीं और उन्हें ऊंचे दाम पर बेचने की फिराक में थे। इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक भृगुनाथ यादव, हेड कांस्टेबल विकास कुमार और कांस्टेबल देवेंद्र यादव शामिल रहे।

विद्युत समस्या का तत्काल समाधान करें : डीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विद्युत एवं सिंचाई विभाग को दिए कड़े निर्देश

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश -जनपद सोनभद्र में सोन पंप कैनाल के माध्यम से निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सोन पंप कैनाल में विद्युत आपूर्ति एवं वोल्टेज से संबंधित समस्याओं के कारण पेयजल आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वोल्टेज संबंधी सभी तकनीकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे पंपों का संचालन सुचारु रूप से हो सके और आमजन को समय पर पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद में पेयजल आपूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा व्यवधान स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक समन्वय स्थापित करते हुए निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी तकनीकी समस्या की सूचना मिलते ही उसका तत्काल समाधान कराया जाए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नहरों का संचालन निर्धारित रोस्टर के अनुसार नियमित रूप से कराया जाए, जिससे सिंचाई एवं पेयजल व्यवस्था दोनों प्रभावित न हों। उन्होंने विद्युत एवं सिंचाई विभाग को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में विद्युत विभाग एवं सिंचाई विभाग के समस्त अधिशासी अभियंता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

9 अगस्त को जिला ओलंपिक संघ का वार्षिक समारोह

मीरजापुर। जिला ओलंपिक संघ का वार्षिक समारोह 9 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि आशीष पटेल कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश शासन मुख्यअतिथि एवं विशिष्ट अतिथि जिला अधिकारी मिर्ज़ापुर होंगे। यह जानकारी उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के सह संयुक्त सचिव तथा मिर्ज़ापुर ओलंपिक एवं वॉलीबॉल संघ के महासचिव एस.पी.त्रिपाठी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी है। उन्होंने बताया कि रविवार 9 अगस्त को जिला कोऑपरेटिव बैंक के सभागार में दिन में 12 बजे जिला संघ के स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में वार्षिक समारोह का आयोजन करने जा रहा है जिला ओलंपिक संघ की विशेष बैठक भी प्रातः 10:00 बजे आयोजित की जाएगी जिसमें वर्ष 2026-27 का खेल कैलेंडर तथा मिर्ज़ापुर ओलंपिक संघ का पुनर्गठन तथा वर्ष 2026 में जिन बालक - बालिकाओं (महिला ,पुरुष) ने राज्य ,राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जनपद का खेल के तौर पर मान-सम्मान बढ़ाया है उनको पुरस्कृत भी किया जाएगा एस.पी.त्रिपाठी ने सभी जनपद के मान्यता प्राप्त जो प्रदेश संघ से पंजीकृत हो सभी से निवेदन किया है कि वे समय से संघ की बैठक में उपस्थित हों तथा जनपद के सभी खेलों से जुड़े खिलाड़ियों से अपील की है कि उक्त कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराएं।

युवा संवाद कार्यक्रम के चौथे दिन विक्रमजोत में छात्रों से संवाद

'विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण'- चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के भाजपा नेता एवं समाजसेवी चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' द्वारा 'विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका' विषय पर आयोजित पखवाड़े भर चल रहे युवा संवाद कार्यक्रम के चौथे दिन विक्रमजोत स्थित अयोध्या प्रसाद दूबे इंटर कॉलेज एवं डॉ. वी.के. दूबे इंटरनेशनल स्कूल में छात्र-छात्राओं के साथ संवाद आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अपने संबोधन में श्री पाण्डेय ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प तभी साकार होगा, जब देश का युवा शिक्षा, कौशल, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि किसानों, महिलाओं, युवाओं एवं समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए भाजपा सरकार ने अनेक जनहितकारी योजनाएँ संचालित की हैं। किसानों को सिंचाई हेतु निःशुल्क बिजली, पर्याप्त उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता, किसान सम्मान निधि, महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने, उज्ज्वला योजना से धुएँ से मुक्ति, अभ्युदय योजना एवं शिक्षा ऋण जैसी सुविधाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना से गरीबों को निःशुल्क उपचार, प्रधानमंत्री आवास योजना से आवास, हर घर शौचालय जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। पेपर लीक जैसी समस्याओं पर सरकार ने कठोर कार्रवाई करते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए, पुनः परीक्षा कराई तथा समयबद्ध परिणाम घोषित कर युवाओं के हितों की रक्षा की।

श्री पाण्डेय ने कहा कि देश का युवा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करेगा, लेकिन राष्ट्रविरोधी सोच और नारों को कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ विदेशी शक्तियों एवं विपक्षी दलों ने युवाओं की भावनाओं का राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास किया, जबकि सदन में लाए गए एंटी पेपर लीक विधेयक पर उनका रुख उनके दोहरे चरित्र को उजागर करता है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ 'शिक्षा संग रोजगार चाहिए, हमें राष्ट्रवादी सरकार चाहिए' का गगनभेदी उद्घोष कर राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर आशीष द्विवेदी, श्रीकांत द्विवेदी, सौरभ द्विवेदी, अतुल सिंह, सुनील पाठक, रवी पाण्डेय, राजीव पाण्डेय, रमेश सिंह सहित विद्यालय परिवार एवं हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

बाल संरक्षण को लेकर 12 ग्राम पंचायतों में बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशों के क्रम में शुक्रवार को जनपद की 12 ग्राम पंचायतों में ग्राम बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठकों का आयोजन विकास खंड अभोली की ग्राम पंचायत सराय कंसराय एवं विजयीपुर, विकास खंड औराई की पिलखिनी एवं महदवा, विकास खंड भदोही की निदुर एवं अजयपुर, विकास खंड डीघ की भगवानपुर एवं भभौरी, विकास खंड ज्ञानपुर की डुहिया एवं लखनो, तथा विकास खंड सुरियावां की एकौनी एवं चकचन्दा में किया गया। बैठकों में बाल संरक्षण, बाल अधिकारों की सुरक्षा तथा जरूरतमंद, निराश्रित एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराने पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही बाल श्रम, बाल विवाह एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले किसी भी प्रकार के शोषण की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। बैठक में विद्यालय से वंचित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने तथा अनाथ एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सत्येन्द्र पाण्डेय ने किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत विधि का उल्लंघन करने वाले बच्चों से संबंधित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए समाज से इस कुप्रथा के उन्मूलन के लिए सभी से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं, जिनमें बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, विधवा पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना तथा हेल्पलाइन सेवाओं 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री जनसुनवाई), 181 (महिला हेल्पलाइन), 102 (मातृत्व/प्रसव सेवा) एवं 108 (आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा) की जानकारी भी प्रदान की। इसके अतिरिक्त किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत संचालित बाल गृह एवं स्पेशल गृह के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। बैठकों में आलोक दूबे, कुणाल गुप्ता, कृष्ण गोपाल यादव, सत्येन्द्र पाण्डेय, दिनेश, आनन्द मौर्य, मोहम्मद कैफ, विवेक गुप्ता, आयुष शर्मा, वीरेन्द्र प्रसाद, दीपक यादव सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

जदयू ने राज्यपाल के नाम भेजा ज्ञापन

भदोही। जनपद का नाम बदलने के प्रस्ताव का विरोध तेज होता जा रहा है। इसी क्रम में जनता दल (यूनाइटेड) भदोही इकाई ने जिलाध्यक्ष सर्वेश राय के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर जनपद का नाम भदोही ही यथावत बनाए रखने की मांग की। जदयू नेताओं ने ज्ञापन में कहा कि वर्ष 1994 में भदोही को अलग जनपद का दर्जा मिलने के बाद से यह अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। विश्व प्रसिद्ध कालीन उद्योग, जीआई (भौगोलिक संकेतक) टैग और ऐतिहासिक महत्व के कारण भदोही का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित है। ऐसे में जिले का नाम संत रविदास नगर बदलने से न केवल इसकी ऐतिहासिक पहचान प्रभावित होगी, बल्कि कालीन उद्योग और उससे जुड़े लाखों लोगों की पहचान पर भी असर पड़ सकता है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि भदोही नाम जनभावनाओं से जुड़ा हुआ है। जिले की पहचान वर्षों से इसी नाम के साथ बनी है, इसलिए किसी भी प्रकार का नाम परिवर्तन जनता की भावनाओं के अनुरूप नहीं होगा। पार्टी ने राज्य सरकार से मांग की कि जनहित और जनभावनाओं का सम्मान करते हुए जनपद का नाम भदोही ही यथावत रखा जाए। जिलाध्यक्ष सर्वेश राय ने कहा कि भदोही केवल एक जिले का नाम नहीं, बल्कि कालीन नगरी के रूप में विश्वभर में अपनी अलग पहचान रखता है।

जनहित से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : डीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। कई स्वास्थ्य संकेतकों में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को कार्यप्रणाली में सुधार के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं सीधे आमजन के जीवन से जुड़ी हैं, इसलिए अधिकारी और कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी व संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जनहित सर्वोपरि रहेगा।

बैठक में एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए डीएम ने एनीमिया पीड़ित मरीजों की नियमित निगरानी, आयरन व फोलिक एसिड सहित आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध रूप से संचालित झोलाछाप चिकित्सकों और क्लीनिकों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने को कहा। एएनसी (गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच) की समीक्षा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अभोली और औराई की प्रगति असंतोषजनक मिलने पर संबंधित अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए गए। वहीं संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा करते हुए 10 अगस्त तक सभी लंबित कार्यों का माइक्रो प्लान तैयार कर समयबद्ध पूरा कराने के निर्देश दिए। डीएम ने सभी स्वास्थ्य केंद्रों में साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाओं और मरीजों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वास्थ्य इकाई में रोगी हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, आयुष्मान भारत योजना, परिवार कल्याण और पोषण कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अनपरा तापीय परियोजना में हुआ वृहद पौधारोपण

अधिक से अधिक पौधे लगाने, उन्हें संरक्षित करने तथा जल व बिजली बचत का किया गया आह्वान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अनपरा /सोनभद्र- उत्तर प्रदेश शासन के महत्वाकांक्षी 'वृक्षारोपण महायज्ञ-2026' एवं एक पेड़ माँ के नाम अभियान को और गति देते हुए ऊर्जाविभाग के उच्च प्रबंधन के मंशानुसार शुक्रवार को अनपरा तापीय परियोजना में सीजीएम इं अजय कुमार कटियार के नेतृत्व में विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डी परियोजना परिसर में तकनीकी भवन के सामने खाली पार्क में सैकड़ों फलदार व औषधीय पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का सशक्त संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परियोजना प्रमुख इं अजय कटियार,महाप्रबंधक प्रशासन इं. एसएन मिश्र, महाप्रबंधक (द ताप) इं. प्रशांत त्रिपाठी, महाप्रबंधक (ब ताप) इं. चंद्र प्रकाश, महाप्रबंधक (अ ताप) इं. डी.के. सिंह, महाप्रबंधक सिविल इं. निशीथ शर्मा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ पौधरोपण कर किया जिसमें विभिन्न प्रजाति के कलमी आम जैसे आम्रपाली, मल्लिका, चौसा, थाई बनाना, एप्पल बेर, थाई अमरूद, जामुन, आंवला, बेल, नीबू, बहेड़ा, अशोक के पौधे लगाए गए।

सीजीएम ने पौधारोपण कर रोपे गए पौधों के संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखना भी सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने की अपील की। कहा कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि धरती को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और समृद्ध बनाना है तो हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग से बचने, जल संरक्षण और बिजली की बचत को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का भी आह्वान किया। महाप्रबंधक प्रशासन इं. एसएन मिश्र ने बताया कि विशेष अभियान के तहत इस माह वन विभाग के सहयोग से वन भूमि पर 20000 पौधे तथा परियोजना परिसर में जगह जगह कुल लगभग पांच सौ फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया है। उन्होंने कहा कि हरित पर्यावरण ही स्वस्थ समाज और उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता इं. विमलेंद्र सिंह, इं सौदान सिंह लेखाधिकारी अशोक चौधरी, सहायक अभियंता इं राजेश पाडेय, इं अभय कुमार, इं विजय कुमार, इं अजय सिंह, इं वीर प्रताप, इं प्रिंस कुमार, इं अजय मौर्या, इं एसपी सिंह, पंकज त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में मुंबई से गांव आए युवक की मौत

भदोही। औराई थाना क्षेत्र के सहसेपुर गांव में गुरुवार रात तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। सड़क हादसे में 38 वर्षीय राज नारायण विश्वकर्मा उर्फ राजू की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज नारायण विश्वकर्मा अपनी मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक बाइक सवार ने पहले एक साइकिल सवार को टक्कर मार दी। इसके बाद बाइक अनियंत्रित होकर सीधे राज नारायण की मोटरसाइकिल से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राज नारायण के सिर में गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद आरोपी बाइक सवार अपनी क्षतिग्रस्त बाइक लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी। पुलिस फरार बाइक सवार की तलाश में जुटी है। बताया गया कि राज नारायण मुंबई में अपने परिवार के साथ रहकर रोजगार करते थे। वह अपनी चाची की तेरहवीं में शामिल होने के लिए कुछ दिन पहले ही गांव आए थे। परिवार के लोग यह नहीं जानते थे कि यह यात्रा उनकी अंतिम यात्रा साबित होगी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। अचानक हुई मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर अधिकारियों को निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश-जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने शुक्रवार को हर घर तिरंगा अभियान-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि अभियान को जनभागीदारी के साथ उत्सव के रूप में मनाते हुए प्रत्येक घर तक तिरंगा पहुंचाने का लक्ष्य समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अभियान के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे राष्ट्रीय ध्वजों का निर्माण भारतीय ध्वज संहिता के अनुरूप गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि तैयार ध्वजों का समयबद्ध वितरण कर अधिकाधिक नागरिकों को अभियान से जोड़ा जाए, जिससे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक घर पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों, विकास खंडों एवं संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित किया जाए। साथ ही स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित ध्वजों के भुगतान एवं वितरण की प्रक्रिया भी पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं नागरिक कर्तव्य की भावना को सुदृढ़ करने का जनआंदोलन है। सभी अधिकारी अभियान को पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ सफल बनाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। तिरंगा झण्डा फहराते समय बरती जाने वाला सावधानियां तिरंगे को हमेशा सम्मान के साथ फहराया जाए। झंडा आयताकार होना चाहिए तथा इसकी लंबाई-चौड़ाई का अनुपात 3-2 होना चाहिए। केसरिया रंग हमेशा ऊपर रहेगा। झंडा जमीन, पानी या फर्श को नहीं छूना चाहिए। फटा,

गंदा या क्षतिग्रस्त तिरंगा नहीं फहराना चाहिए। तिरंगे पर कुछ भी लिखना, छापना या चित्र बनाना प्रतिबंधित है। तिरंगे का उपयोग मेज, वाहन, मंच, मूर्ति या किसी वस्तु को ढकने के लिए नहीं किया जा सकता। किसी अन्य झंडे को तिरंगे से ऊपर या उससे अधिक सम्मानजनक स्थान पर नहीं लगाया जा सकता। वर्तमान नियमों के अनुसार, यदि तिरंगे को सम्मानपूर्वक प्रदर्शित किया जाए, तो उसे दिन और रात दोनों समय फहराया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान सभी लोग सावधान की मुद्रा में खड़े होकर राष्ट्रध्वज का सम्मान करें तथा राष्ट्रगान के समय अनुशासन बनाए रखना।

संक्षिप्त खबरें

मृतक आश्रित भर्ती से दो महिलाओं को रोजगार

प्रतापगढ़। जनपद में मृतक आश्रित भर्ती नियमावली के तहत दो महिलाओं को ग्राम पंचायत अधिकारी पद पर नियुक्ति प्रदान की गई। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने शुक्रवार को कैम्प कार्यालय में दोनों नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दोनों नव नियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए ग्रामीण विकास एवं जनसेवा में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप यह व्यवस्था दिवंगत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को कठिन परिस्थितियों में आर्थिक एवं सामाजिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से लागू की गई है। जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकान्त दर्वे ने बताया है कि विकास खण्ड सदर में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी स्वर्गीय अविनाश कुमार मिश्र का 27 अप्रैल को आकस्मिक निधन हो गया था। इसके उपरांत उनकी पत्नी अंकिता मिश्रा ने मृतक आश्रित के रूप में नियुक्ति के लिए आवेदन किया। पात्र पाए जाने पर उन्हें ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर अस्थायी नियुक्ति प्रदान की गई। इसी प्रकार विकास खण्ड बाबागंज में कार्यरत ग्राम पंचायत अधिकारी स्वर्गीय नागेन्द्र कुमार सरोज का 11 जुलाई को आकस्मिक निधन हो गया था। उनकी पत्नी दीक्षा सरोज ने मृतक आश्रित के रूप में नियुक्ति हेतु आवेदन किया। उन्हें भी ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर अस्थायी नियुक्ति प्रदान की गई।

चेहल्लुम के जुलूस में खेल के दौरान दो किशोर घायल, एक रेफर

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे में चेहल्लुम के जुलूस के दौरान खेल करते समय दो किशोर घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। आचार्य नगर से चिकमंडी की ओर चेहल्लुम का जुलूस जा रहा था। इसी दौरान मंडी मोहल्ला निवासी अयान (16) पुत्र शुबराती खेल के दौरान घायल हो गया। उसकी जीभ कट गई और काफी खून बहने लगा। साथी उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं चिकमंडी मोहल्ला निवासी अयान (17) पुत्र अनवर अली भी खेल के दौरान घायल हो गया। उसका निचला होंठ बुरी तरह फट गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया।

बिजली कनेक्शन जबरन काटने का आरोप

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के बेहटा कलां गांव निवासी रामजियावन ने बिजली विभाग के लाइनमैन पर जबरन बिजली कनेक्शन काटने का आरोप लगाया है। उन्होंने मामले की शिकायत अधिकारियों से की है। राम जियावन का आरोप है कि उनके घर पर केवल उनका भतीजा मौजूद था। इसी दौरान टीजीटू और एक संविदा कर्मी पहुंचे। उन्होंने बकाया बिल का हवाला देते हुए बिजली कनेक्शन काटने की बात कही। भतीजे ने बकाया राशि की जानकारी मांगी और अगले दिन बिल जमा करने की बात कही। इस दौरान लाइनमैन ने रूपये जमा करने पर ही कनेक्शन न काटने की बात कही। उन्होंने रुपये देने से इनकार कर बिजली का बिल स्वयं जमा कर दिया। उसने जमा रसीद भी दिखा दी। इसके बावजूद संविदा कर्मी को खंभे पर चढ़ाकर बिजली कनेक्शन काट दिया। मामले में एसडीओ शिवम वर्मा ने बताया कि उपभोक्ता का बिजली बिल जमा होने के बाद नियमानुसार उसका कनेक्शन दोबारा जोड़ दिया जाएगा।

सिद्धार्थनगर में सांप के काटने से किसान की मौत

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के कटरिया बाबू गांव में गुरुवार की रात जहरीले सर्प के काटने से एक युवक की मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। गांव निवासी रंगीलाल चौरसिया(50 वर्ष) पुत्र अवधराम रोज की तरह रात में भोजन करने के बाद सड़क किनारे स्थित अपने मकान पर पशुओं की देखभाल करने गए थे। बताया जाता है कि वह वहीं सोते भी थे। गुरुवार देर रात जब वह मकान के अंदर जाने के लिए शटर उठा रहे थे, तभी वहां छिपे जहरीले सर्प ने उन्हें काट लिया। सर्प के काटते ही रंगीलाल घबराकर दौड़ते हुए गांव स्थित अपने घर पहुंचे और परिजनों को घटना की जानकारी दी। आनन-फानन में परिजन उन्हें बेवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी, दो बेटे और दो बेटियों को छोड़ गए हैं। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि दोनों बेटों की शादी अभी नहीं हुई है। हल्का लेखपाल गोपाल श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी गई है तथा नियमानुसार मृतक के परिजनों को अहेतुक सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

जिला उद्योग एवं व्यापार बंधु की बैठक हुई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. राममोहन मीना की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला उद्योग एवं व्यापार बन्धु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में औद्योगिक विकास, व्यापारिक गतिविधियों तथा नगर क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में औद्योगिक आस्थान सुखपालनगर के उद्यमियों ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र के बाहर निर्मित नाले की ऊंचाई अधिक होने के कारण वर्षा का पानी औद्योगिक परिसर से बाहर नहीं निकल पा रहा है, जिससे जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने लोक निर्माण विभाग व अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को मौके का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उद्यमियों ने औद्योगिक आस्थान की क्षतिग्रस्त सड़कों एवं नालियों की समस्या भी प्रमुखता से उठाई। सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र मरम्मत एवं सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए, ताकि उद्योगों के संचालन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्र की विद्युत फीडर लाइन पर विद्युत विभाग को वृक्षों की कटाई-छंटाई कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही अन्य समस्याओं के सम्बन्ध में समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

बैठक में व्यापार मण्डल अध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता ने शहर की विभिन्न जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने मार्ग चौड़ीकरण के दौरान हटाए गए पिंक शौचालय के स्थान पर पुनः व्यवस्था कराने की मांग पर अधिकारियों ने अवगत कराया कि रजत पैलेस रोड स्थित जीजीआईसी कालेज के समीप नए पिंक शौचालय के निर्माण के लिए स्थान चिन्हित कर लिया गया है। व्यापारियों ने भरत चौक से जेल रोड तक प्रतिदिन लगने वाले जाम की समस्या का भी मुद्दा उठाया। इस पर नगर पालिका परिषद बेल्हा के अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमण हटाने का अभियान नियमित रूप से चलाया जा रहा है और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए आगे भी प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी। बैठक में आजाद पार्क (श्रीराम तिराहा) एवं सुभाष पार्क (पंजाबी मार्केट) के सौन्दर्यीकरण पर भी चर्चा हुई। बैठक के अंत में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. राममोहन मीना ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्योगों एवं व्यापारियों से जुड़ी समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उपायुक्त उद्योग एस0एस0 रावत, उपायुक्त राज्य कर वेगराज सिंह, एलडीएम नीरज सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व उद्यमियों व्यापारियों में मो0 अनाम, रोशन लाल ऊमरवैश्य, अनुराग खण्डेलवाल आदि उद्यमी उपस्थित रहे।

मत्स्य विभाग की छः योजनाओं के लिए आवेदन की तिथि 05 अगस्त तक बढ़ी

प्रतापगढ़। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण कमलेश कुमार बौद्ध ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित थी, जिसे अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बढ़ाकर 5 अगस्त कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट http://fisheries.up.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि इन योजनाओं में मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, संघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम स्थापना योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत मोपेड विद आइस बॉक्स परियोजना, अंतर्देशीय खारे जल क्षेत्रों में मात्स्यिकी के विकास हेतु नए तालाब निर्माण व प्रथम वर्ष निवेश, उत्तर प्रदेश मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना शामिल हैं।

सई नदी में कूदे युवक और विवाहिता

» युवक की हो रही खोजबीन, विवाहिता को बचाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के घुइसरनाथ धाम स्थित सई पुल से एक युवक व एक विवाहिता ने नदी में छलांग लगा दी। नदी में समाए युवक की तलाश में गोताखोर जुटे हैं। वहीं विवाहिता को सकुशल बचा लिया गया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के पौराणिक शिव मंदिर बाबा घुइसरनाथ धाम के समीप से गुजरी सई नदी में अलग अलग घटनाओं में युवक व युवती ने कूद कर जान देने की कोशिश की है। अमेठी जनपद के पूरे शिवपाल डेहरा विशेषरगंज थाना संग्रामपुर गांव निवासी 25 वर्षीय रवि मौर्य शुक्रवार को दोपहर करीब 12 बजे घुइसरनाथ धाम के सई पुल पर पहुंचा। यहां उसने बाइक व मोबाइल फोन पुल पर ही छोड़कर नदी में छलांग लगा दी। परिजनों के मुताबिक नदी में कूदने से पूर्व उसने अपने भाई अभिषेक को व्हाट्सऐप पर आत्महत्या करने की सूचना दी। इधर युवक को नदी में छलांग लगाते कुछ लोगों ने देखा तो इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस गोताखोरो की मदद से युवक की खोजबीन कर रही है। इधर व्हाट्सऐप से रवि द्वारा आत्महत्या की सूचना दिये जाने की जानकारी होते ही परिजन भी भागकर यहां पहुंचे। समाचार भेजे जाने तक नदी में गहरे पानी में समाए युवक की खोजबीन जारी है। इससे पूर्व शुक्रवार की सुबह एक विवाहिता ने भी सई नदी पुल से नदी के गहरे पानी में छलांग लगा दी लेकिन स्थानीय पुलिस व फायर यूनिट की सतर्कता से नदी में कूदी विवाहिता को बचाकर सकुशल बाहर निकाला गया। पुलिस के अनुसार विवाहिता ने बताया कि वह मनूपुर बोझी थाना अन्तू गांव निवासी रोशन यादव की पत्नी श्यामली देवी है। नदी में आत्महत्या करने का कारण पारिवारिक कलह बताया। एसओ गौरव त्रिवेदी का कहना है कि नदी में समाए युवक की खोजबीन जारी है। वहीं सकुशल नदी से बाहर निकाली गयी युवती को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई बाइक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 45 वर्षीय बाइक सवार अधेड़ की मौत हो गई। हादसा गऊघाट के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से बाइक टकराने के कारण हुआ। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान राकेश कुमार (45 वर्ष) पुत्र कृष्णा, निवासी ग्राम कमालपुर अवांडीह, थाना महराजगंज के रूप में हुई है। बताया गया कि गुरुवार रात करीब 10 बजे वह अपने गांव से लोनार की ओर बाइक से जा रहे थे। जैसे ही वह गऊघाट के पास पहुंचे, उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस की सहायता से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, महराजगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. गणनायक पांडेय ने बताया कि घायल को 108 एंबुलेंस से अस्पताल लाया गया था, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। गुमांवा चौकी प्रभारी आयुष वत्स ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है। राकेश कुमार की असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है।

दो मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

राकेश कुमार अपने पीछे दो नाबालिग पुत्रों विशाल और विकास को छोड़ गए हैं। बच्चों की मां का साया पहले ही उनके सिर से उठ चुका था। अब पिता के निधन के बाद दोनों बच्चे पूरी तरह अनाथ हो गए हैं। उनका रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार में अब केवल राकेश की बुजुर्ग मां ही बची हैं, जिनके सामने दोनों मासूम बच्चों के पालन-पोषण की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। इस दर्दनाक घटना ने पूरे गांव को भावुक कर दिया है।

सेवानिवृत्ति पर रोडवेज कर्मियों का सम्मान

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय रोडवेज डिपो कार्यशाला में शुक्रवार को सेवानिवृत्त निगमकर्मियों को समारोहपूर्वक विदाई दी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ केन्द्र प्रभारी अविनाश चंद्र पाण्डेय एवं कर्मचारी नेता बसन्त कुमार सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कर्मचारियों एवं अधिकारियो ने सेवानिवृत्त चालक राजभान तिवारी व माल भण्डारक लाल बहादुर यादव को माल्यार्पण एवं अंगवस्त्रम तथा प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कर्तव्यपरायणता की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता फोर मैन कमलेश यादव तथा संचालन मो0 आसिफ खान व संयोजन अरविन्द पाण्डेय ने किया। कर्मचारी नेता बसन्त कुमार सिंह ने रोडवेज डिपो वर्कशॉप की समस्याओं पर प्रकाश डाला। स्वागत मंगला प्रसाद तिवारी व आभार प्रदर्शन अखिलेश सिंह ने किया। इस मौके पर वीरू सिंह, राजेश यादव व दिनेश सिंह आदि रहे।

प्रेमचंद का साहित्य आज भी समाज का दर्पण: डॉ. श्याम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती लायंस क्लब प्रतापगढ़ हर्ष की ओर से श्रद्धा एवं साहित्यिक गरिमा के साथ जीईसी परिसर में मनाई गई। राजकीय इंटर कालेज परिसर में स्थापित मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर साहित्यकारों, शिक्षकों और समाजसेवियों ने उन्हें भावपूर्ण नमन किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्लब अध्यक्ष एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. श्याम शंकर शुक्ल 'श्याम' ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद केवल महान कथाकार ही नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा के सजग चितेरे थे। उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज के वंचित वर्गों की पीड़ा को स्वर दिया। उनकी रचनाओं में गांव की माटी की सोंधी गंध, संघर्षरत मनुष्य की वेदना और सामाजिक परिवर्तन की गहरी आकांक्षा दिखाई देती है।

उन्होंने बताया कि मुंशी प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को वाराणसी के निकट लमही गांव में हुआ था। उनका मूल नाम धनपत राय श्रीवास्तव था। उन्होंने राजकीय इंटर कालेज प्रतापगढ़ में शिक्षक के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थी। इसी दौरान उनके प्रथम लघु उपन्यास 'असरार-ए-मआबिद', जिसका हिंदी नाम 'देवस्थान रहस्य', की रचना-यात्रा प्रतापगढ़ की धरती से प्रारंभ हुई मानी जाती है। बाद में यह उपन्यास उर्दू पत्रिका में धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुआ।

डॉ. शुक्ल ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य सत्ता और वैभव की कथा नहीं, बल्कि साधारण मनुष्य के असाधारण संघर्ष का जीवंत दस्तावेज है।'सेवासदन', 'निर्मला' और 'गोदान' जैसे कालजयी उपन्यासों के साथ ही 'कफन', 'ईदगाह', 'दो बैलों की कथा', 'सवा सेर गेहूं' और 'नमक का दरोगा' जैसी कहानियों ने उन्हें हिंदी साहित्य में अमर स्थान प्रदान किया।वक्ताओं ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद की रचनाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी उनके समय में थी। बदलते सामाजिक परिवेश में भी उनकी कहानियां मनुष्य को करुणा, न्याय, समानता और मानवीयता का संदेश देती हैं।कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष डॉ. श्याम शंकर शुक्ल 'श्याम', सचिव संतोष भगवन, कोषाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश पाल, उपाध्यक्ष आर.बी. सिंह, प्रशासक क्षितिज श्रीवास्तव, पर्यावरण चेयरपर्सन सुभाष सोनी, राजकीय इंटर कालेज के वरिष्ठ प्रवक्ता बृजेश कुमार मिश्र एवं संतोष कुमार मिश्र, नशरत अली, अशोक कुमार मौर्य, अभिषेक तिवारी, गरिमा सिंह, सीमा खरे, मनीष तिवारी, कहानीकार प्रेम कुमार त्रिपाठी तथा डॉ शाहिदा प्रबन्धक एंजिल्स इंटर कालेज, वरिष्ठ साहित्यकार डा. दयाराम मौर्य रत्न, रोशन लाल उमर वैश्य समाज सेवी वरिष्ठ साहित्यकार आनंद मोहन ओझा सहित अनेक साहित्यकारों, शिक्षकों और समाजसेवियों ने मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके साहित्यिक अवदान को स्मरण किया।

पैतृक आवास पर रोज सुनते हैं लोगों की समस्याएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बछरावां/ रायबरेली: बछरावां विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक श्याम सुंदर भारती अपनी सक्रिय कार्यशैली, जनसंपर्क और विकासोन्मुख सोच के चलते क्षेत्र में लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं। प्रतिदिन क्षेत्र का भ्रमण कर लोगों की समस्याएं सुनना, उनके त्वरित समाधान का प्रयास करना तथा विकास कार्यों की गुणवत्ता की स्वयं निगरानी करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। यही कारण है कि क्षेत्र के लोगों के बीच उनकी एक सहज, सरल और जनसुलभ जनप्रतिनिधि की छवि लगातार मजबूत होती जा रही है। आपको बता दें कि, विधायक श्याम सुंदर भारती प्रतिदिन सुबह अपने पैतृक आवास ठाकुरपुर में जनता दर्शन (जनता दरबार) आयोजित करते हैं, जहां बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं। विधायक प्रत्येक फरियादी की बात गंभीरता से सुनते हैं और संबंधित विभागों के अधिकारियों से तत्काल संपर्क कर समस्याओं के समाधान का प्रयास करते हैं। उनकी इस कार्यशैली से आमजन में विश्वास और उम्मीद दोनों बढ़ी हैं।

क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि, विधायक विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के बीच पहुंचते हैं। सड़क, बिजली, प्रकाश व्यवस्था और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर वे विशेष रूप से सक्रिय रहते हैं। साथ ही स्थानीय स्तर के निजी विवादों से दूरी बनाए रखते हुए जनहित से जुड़े बड़े मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। शुक्रवार को यह संवाददाता जब ठाकुरपुर स्थित विधायक आवास पहुंचा, तब विधायक श्याम सुंदर भारती सादे वस्त्रों में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इसी दौरान मऊ ग्राम पंचायत के दशवंतपुर गांव निवासी शिव वरदान सिंह (डब्बू) एवं धर्मराज सिंह (नान्ह) ने गांव के मेला मैदान में फोर-वे हाई मास्ट लाइट लगाए जाने की मांग रखी। विधायक ने इस मांग को जनहित से जुड़ा बताते हुए आश्वासन दिया कि, पंद्रह दिनों के भीतर मेला मैदान में हाई मास्ट लाइट स्थापित कराई जाएगी। इसी क्रम में बारीगोहन्ना ग्राम पंचायत के प्रधान प्रतिनिधि आनंद कुमार मिश्रा ने कड़रिया गांव स्थित रामनाथ के दरवाजे के तिराहे अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में फोर-वे हाई मास्क लाइट लगाए जाने तथा पूरे शुकुलन गांव की नई बस्ती के विद्युतीकरण की मांग विधायक के समक्ष रखी।

विधायक श्याम सुंदर भारती ने दोनों मांगों को गंभीरता से लेते हुए हाई मास्क लाइट की स्थापना पंद्रह दिनों के भीतर कराने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि, पूरे शुकुलन गांव की विद्युत व्यवस्था का मुद्दा आगामी विधानसभा सत्र में प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि, वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पूर्व उनका प्रयास रहेगा कि, गांव का पूर्ण विद्युतीकरण हो जाए, जिससे आज भी मोमबत्ती और ढिबरी के सहारे जीवन यापन कर रहे लोगों को स्थायी राहत मिल सके। जनता दर्शन के दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे और विधायक ने एक-एक कर सभी की बात सुनी। इस अवसर पर बाबू यादव, राम प्रताप, सचिव कुमार, सुमंत कुमार, महबूब अली, राजा राम सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

उर्वरक दुकानों पर कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। जनपद में उर्वरकों की कालाबाजारी और अनियमितताओं पर लगाम कसने के लिए कृषि विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। जिला कृषि अधिकारी शशांक ने गुरुवार को नवाबगंज एवं सदर क्षेत्र के उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान अनियमितताएं मिलने पर तीन उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। निरीक्षण के दौरान शिव एग्रीजंक्शन अशाखेड़ा, यूनुस खाद भंडार अशाखेड़ा, शारदा खाद भंडार सोहरामऊ, कुशवाहा बीज भंडार सोहरामऊ, द्विवेदी खाद भंडार नवाबगंज, दुर्गा खाद भंडार नवाबगंज, मिश्रा खाद भंडार कलंदरखेड़ा, शर्मा खाद भंडार राउकरना तथा अमरजीत खाद भंडार कलंदरखेड़ा की जांच की गई। जांच में मिश्रा खाद भंडार और अमरजीत खाद भंडार कलंदरखेड़ा पर अनियमितताएं पाए जाने तथा यूनुस खाद भंडार अशाखेड़ा पर निर्धारित सूचना बोर्ड (बैनर) प्रदर्शित न मिलने पर तीनों प्रतिष्ठानों के उर्वरक लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। जिला कृषि अधिकारी ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया कि किसानों को उनकी जोत के अनुसार निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। स्टॉक एवं वितरण रजिस्टर नियमित रूप से अद्यतन रखा जाए तथा उर्वरकों का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 के प्रावधानों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जनपद में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। वर्तमान में 28,408 मीट्रिक टन यूरिया, 8,165 मीट्रिक टन डीएपी तथा 6,424 मीट्रिक टन एनपीके उपलब्ध है, जिसका वितरण सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं के माध्यम से किया जा रहा है। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील की कि उर्वरक खरीदते समय अपने साथ फॉर्मर आईडी (फार्मर रजिस्ट्री) अथवा खतौनी अवश्य लेकर जाएं तथा अपनी भूमि के अनुसार निर्धारित मात्रा में ही उर्वरक खरीदें। इससे वितरण व्यवस्था पारदर्शी रहेगी और सभी किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सकेगी।

अज्ञात कार की टक्कर से किशोरी की मौत, कोहराम मचा

लालगंज, प्रतापगढ़। तेज गति से आ रही अज्ञात कार की टक्कर से स्कूटी सवार किशोरी की मौत हो गयी। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। लालगंज कोतवाली के पयागीपुर गांव की 17 वर्षीया अन्नू वर्मा पुत्री विमलेश वर्मा शुक्रवार की सुबह स्कूटी लेकर पेट्रोल पम्प पर पेट्रोल लेने गयी थी। लालगंज कोतवाली के रायपुर तियाई स्थित पेट्रोल पम्प के समीप ही नेशनल हाईवे पर लालगंज की ओर से तीव्र गति से आ रही अज्ञात कार ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दिया। इससे किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गयी। आसपास के लोगों ने उसे इलाज के लिए लालगंज ट्रामा सेंटर भेजवाया। जहां चिकित्सकों ने अन्नू वर्मा को मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी होने पर अस्पताल पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। इधर दुर्घटना के बाद चालक कार छोड़ भाग निकला। पुलिस ने दुर्घटना में प्रयुक्त कार को कब्जे मे लेकर कोतवाली ले आयी। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी।

एफएलएन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। इटवा ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय गनवरिया पूरब विद्यालय मैं पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करने के साथ खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र कुमार की उपस्थिति में किया गया। शुक्रवार को प्रथम सत्र में प्रशिक्षण सत्रों का परिचय और प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त किया गया ,निपुण भारत मिशन की संकल्पना और विस्तारण पर वार्ता की गई सन्दर्भदाता हेमंत गुप्ता ने बताया कि निपुण लक्ष्य को बाल वाटिका से कक्षा पांच तक विस्तारित किया गया है। विस्तारित मिशन का लक्ष्य वाल वाटिका से कक्षा पांच तक के सभी विद्यार्थियों मैं हिंदी गणित अंग्रेजी और पर्यावरण अध्ययन की कक्षा अनुरूप दक्षताओं में निपुण बनाना तथा अधिगम प्रक्रियाओं को प्रभावशील बनाना है।

बाद के सत्रों मैं वीना का परिचय तथा उत्तर प्रदेश के संदर्भ मैं कुछ बदले गए पाठों पर चर्चा हुई। सन्दर्भदाता लोकेंद्र प्रताप सिंह संगीत शुक्ला अभिषेक शुक्ला तथा डी पी सिंह ने भी प्रशिक्षण मैं विभिन्न सत्रों का प्रभावी संचालन किया। इस दौरान रागिनी मिश्रा, रचना सिंह, नलिनी श्रीवास्तव, फुरकान अहमद आब्दी, प्रमोद यादव, इन्द्रमणि त्रिपाठी, संतोष कुमार, प्रदीप मिश्रा, अब्दुल फरीद अहमद आदि उपस्थित रहे।

दिव्यांग छात्र हरिकुमार का राजकीय आवासीय विद्यालय में हुआ नामांकन

सिद्धार्थनगर। विकास खंड बांसी के कंपोजिट विद्यालय टड़वल घाट के विशेष शिक्षक अवनीश त्रिपाठी के प्रयास से दिव्यांग छात्र हरिकुमार का नामांकन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रतापगढ़ में हुआ है। इसमें दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए आवासीय व्यवस्था लागू है।

सत्र 2025-26 में कक्षा आठ उत्तीर्ण करने वाले अस्थि दिव्यांग छात्र हरिकुमार की दिव्यांगता, घर की दूरी और लाचारी के वजह से पढ़ नही रहा था। डीसी करुणापति त्रिपाठी ने बताया कि छात्र हरिकुमार का घर बांसी मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है। कक्षा आठ पास करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए उसे रोज बांसी आना पड़ता, जो उसकी शारीरिक स्थिति के कारण कठिन था। हरिकुमार की पढ़ने की इच्छा को देखते हुए आवासीय विद्यालय में नामांकन के लिए प्रयास किया गया। अब उसे मुफ्त आवास, भोजन और बेहतरीन माहौल में आगे की पढ़ाई करने का अवसर मिल रहा है।

मानदेय बढ़ाने की मांग पर रसोइयों का प्रदर्शन

बांसी (सिद्धार्थनगर)। मिड-डे-मील रसोईया कर्मचारी यूनियन के बैनर तले रसोइयों ने शुक्रवार को अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित 13 सूत्रीय मांगपत्र तहसीलदार पियूष श्रीवास्तव को सौंपा। रसोइया बांसी ब्लाक कार्यालय पर इकट्ठा होकर नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय पहुंच वर्तमान में मिल रहे 2,000 रुपया के स्थान पर 26,000 रुपया प्रतिमाह मानदेय और 10 महीने के बजाय पूरे 12 महीने का भुगतान किए जाने की मांग किया। इस दौरान रसोइयों ने नियमितीकरण योजना का निजीकरण रोकने और राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की भी मांग रखा। सामाजिक सुरक्षा मानदेय अवधि में मृत्यु पर 10 लाख रुपए का मुआवजा, आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति और स्वास्थ्य बीमा सुविधा प्रदान करने को कहा। 50 से कम छात्र संख्या वाले स्कूलों से रसोइयों को हटाने की नीति रद्द करने, एप्रन, यूनिफॉर्म व पहचान पत्र देने व बकाया मानदेय का तुरंत भुगतान करने की मांग भी रसोइयों ने किया है। यूनियन के जिला मंत्री विजय नाथ तिवारी ने चेतावनी दिया कि यदि मांगों का शीघ्र निस्तारण नहीं हुआ, तो आने वाले समय में उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान अध्यक्ष गीता देवी, प्रमिला, कुसुम, सावित्री, पंकज प्रसाद सहित काफी संख्या में रसोईया कर्मचारी उपस्थित रहे।

फंदे से लटका मिला युवती का शव, जांच शुरू

सिद्धार्थनगर। जिले के चिल्हिया थाना क्षेत्र एक गांव में एक युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे के भीतरछत के कुंडी से फंदे के सहारे लटकी मिली। घटना की जानकारी शुक्रवार भोर में उस समय हुई, जब उसकी मां उसे जगाने के लिए कमरे में पहुंची। आवाज देने पर दरवाजा नहीं खुलने पर परिवार के लोगों ने शोर मचाया। आसपास के लोग मौके पर जुटे और पुलिस को सूचना दी गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।मृतका की पहचान खुशबुन्निशा (21वर्ष) पुत्री स्वर्गीय शरीफ अहमद निवासी गौरा बाजार ग्राम सभा अलीदापुर थाना चिल्हिया के रूप में हुई है। स्वजन के अनुसार गुरुवार रात उसने परिवार के सभी के सभी सदस्यों को भोजन कराया और इसके बाद अपने कमरे में सोने के लिए चली गई। सुबह काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो स्वजन को अनहोनी की आशंका हुई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खुलवाया। कमरे के भीतर युवती का शव छत की कुंडी से रस्सी के सहारे लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में घटना के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस स्वजन से पूछताछ के साथ अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है। इस मामले में चिल्हिया थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि गौरा बाजार में एक युवती का शव कमरे के भीतर फंदे से लटका मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रवेश की अंतिम तिथि 5 अगस्त

सिद्धार्थनगर। सत्र 2026-27 हेतु सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर की समर्थ पोर्टल के माध्यम से चल रही प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि 30 जुलाई, 2026 निर्धारित की गयी थी। जिसे कुलपति के आदेशानुसार छात्रहित के दृष्टिगत अंतिम अवसर प्रदान करते हुए तृतीय चरण के पंजीकरण की अवधि 31 जुलाई 2026 से 05 अगस्त 2026 तक पोर्टल खोला जा रहा है। समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्य/प्राचार्या से अपेक्षा है कि व्यक्तिगत स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित समायावधि के भीतर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। प्रत्येक दिन का प्रवेश से सम्बन्धित डाटा विश्वविद्यालय द्वारा बनाये गये डिजिटल सर्विस (समर्थ ग्रुप) पर प्रेषित करनें का कष्ट करें। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ अश्विनी कुमार ने दी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की यूपी पुलिस को फटकार

थानों को व्यावसायिक अड्डा न बनाएं

प्रयागराज(एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा है कि राज्य के कुछ थाने अब कानून-व्यवस्था बनाए रखने के केंद्र की जगह व्यावसायिक गतिविधियों के स्थान बनते जा रहे हैं। अदालत ने इस मामले को गंभीर मानते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को जांच कर दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने शुक्रवार को हरेंद्र यादव की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने डीजीपी और अपर मुख्य सचिव (गृह) को पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। साथ ही डीजीपी को 10 दिनों के भीतर की गई कार्रवाई का विवरण हलफनामे के माध्यम से कोर्ट में

दाखिल करने को कहा गया है। मामला बलिया जिले के रसड़ा थाने से जुड़ा है। याचिकाकर्ता हरेंद्र यादव ने आरोप लगाया था कि थाने में तैनात कांस्टेबल संतोष कुमार ने अपने जनरल प्रोविडेंट फंड (जीपीएफ) खाते से धनराशि निकालकर उनके नाम पर एक ट्रक खरीदा था और ट्रांसपोर्ट व्यवसाय संचालित कर रहा था। याचिकाकर्ता का यह भी आरोप था कि सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ), बलिया ने उसके ट्रक को मनमाने तरीके से ब्लैकलिस्ट कर दिया। मामले की सुनवाई के दौरान सामने आए तथ्यों पर हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस थाने जनता की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए बनाए गए हैं, लेकिन यदि वहां से व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने लगें तो यह गंभीर चिंता का विषय है। अदालत ने इसे पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता से जुड़ा मामला माना। कोर्ट ने निर्देश दिया कि रसड़ा थाने में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच की जाए और यदि किसी की संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए। हाईकोर्ट ने डीजीपी और गृह विभाग को मामले में प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। अदालत अब इस मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त को करेगी। इस दौरान पुलिस विभाग को कार्रवाई की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। हाईकोर्ट की इस टिप्पणी के बाद पुलिस विभाग में थानों की कार्यप्रणाली और वहां तैनात कर्मचारियों की गतिविधियों को लेकर एक बार फिर सवाल उठे हैं। अदालत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखना जरूरी है।

किसान पथ पर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

.....पीड़ित पिता की तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज, सीसीटीवी फुटेज से होगी वाहन की पहचान।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, संवाददाता। किसान पथ पर हुए सड़क हादसे में एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसका सगा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मॉल थाना क्षेत्र के आदर्श थावर गांव निवासी प्यारे लाल के अनुसार उनका पुत्र अरुण कुमार अपने भाई सतीश कुमार के साथ नौ जुलाई की रात गोण्डा से बाइक (यूपी-32-आरएस-6494) से घर लौट रहा था। देर रात मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के पूरनपुर गांव के पास किसान पथ पुल पर पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए और बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान सतीश कुमार ने दम तोड़ दिया। वहीं अरुण कुमार का इलाज जारी है। पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात वाहन एवं उसके चालक की पहचान की जा रही है। पहचान होने के बाद नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दुर्घटना/हादसा

मॉल थाना क्षेत्र के आदर्श थावर गांव निवासी प्यारे लाल के अनुसार उनका पुत्र अरुण कुमार अपने भाई सतीश कुमार के साथ नौ जुलाई की रात गोण्डा से बाइक (यूपी-32-आरएस-6494) से घर लौट रहा था। देर रात मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के पूरनपुर गांव के पास किसान पथ पुल पर पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टकर मार दी। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए और बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई।

अजय देवगन और रितेश देशमुख स्टारर 'रेड 2' अनमोल सिनेमा पर पहली बार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज । कुछ लोग सोचते हैं कि ताकतवर कभी हारते नहीं, भ्रष्टाचारियों को क़ानून कभी छू नहीं पाता; पर इन हालात को बदलने आते हैं अमय पटनायक - एक ऐसे अधिकारी जो कभी भ्रष्ट और शक्तिशाली लोगों के आगे सिर नहीं झुकाते । इस जुलाई, अनमोल सिनेमा आपको ताकत, धोखे और जबर्दस्त ड्रामा से भरपूर 'रेड 2' की दुनिया में ले जाने के लिए तैयार है। राज कुमार गुप्ता के निर्देशन में बनी यह फिल्म आपको सच और झूठ की जंग में ले जाती है। अजय देवगन अपनी खास स्टाइल, टाइमिंग और जबर्दस्त इंटेंसिटी के साथ अमय पटनायक बनकर लौटे हैं। अजय और रितेश का टकराव फिल्म की जान है - देवगन की शांत ताकत और रितेश के चालाक और दबंग किरदार का कॉम्बिनेशन दर्शकों को बांधे रखता है। कहानी में और भी जान डाल देते हैं सौरभ शुक्ला, रजत कपूर और अमित सियाल जैसे अनुभवी कलाकार। 'रेड 2' के निर्माता हैं भूषण कुमार, कुमार

मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार। फिल्म को गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ के द्वारा प्रस्तुत किया गया है और यह एक पैनोरमा स्टूडियोज़ प्रोडक्शन है। 'रेड 2' में एक बार फिर लौट रहे हैं ईमानदारी और निडरता के प्रतीक, आईआरएस अधिकारी अमय पटनायक (अजय देवगन), जो एक और ताकतवर दुश्मन - दादाभाई (रितेश देशमुख) का सामना करते हैं, जो संत के वेश में छिपा हुआ एक साँप है। क्या अमय पटनायक सच सामने ला पाएंगे, या सिस्टम उनका मिशन को कुचल देगा? जानने के लिए देखिए 'रेड 2' अनमोल सिनेमा पर पहली बार, ।

तीन माह बाद भी वापस नही हुए ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। गांव में आबादी के बीचो-बीच शराब की दुकान खोले जाने के विरोध के दौरान ग्रामीणों और प्रशासन के बीच तीखी नोक जोख हुई थी। इस मामले में तोड़फोड़ करने वाले ग्रामीणों पर जुर्माना लगाने के साथ ही कानूनी कार्रवाई की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए सुभासपा जिलाध्यक्ष ने जिलाधिकारी से ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग की थी। बताया जाता है कि आंदोलन को लेकर दर्ज किए गए मुकदमे वापस करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन तीन माह बाद भी ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं हुए। इसको लेकर ग्रामीण एक बार फिर आंदोलन की तैयारी में जुट गए हैं।

थाना माधौटांडा क्षेत्र के ग्राम बूंदी भूड़ में शराब के ठेके के विरोध में हुए आंदोलन के दौरान ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमों को लेकर एक बार फिर असंतोष बढ़ गया है। शुक्रवार को ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि 7 मई

2026 को हुए धरना-प्रदर्शन के दौरान जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और क्षेत्रीय भाजपा विधायक बाबूराम पासवान ने गांव पहुंचकर आश्वासन दिया था कि दस दिन के भीतर ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमे समाप्त करा दिए जाएंगे। ग्रामीणों का कहना है कि तीन माह बीत जा रहे हैं इसके बावजूद मुकदमे वापस नहीं हुए हैं।ग्रामीणों के अनुसार, इस संबंध में कई बार अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपे गए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि जिलाधिकारी कार्यालय से मामले को आबकारी विभाग के पास भेज दिया गया, जहां कथित तौर पर शराब भट्टी में तोड़फोड़ के मामले में तीन लाख रुपये का जुर्माना जमा कराने तथा गांव में दोबारा शराब का ठेका खुलने के बाद ही मुकदमा समाप्त करने की बात कही गई। इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। इस बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष हरेंद्र राजभर ने भी जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर ग्रामवासियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि गांव से शराब का ठेका हटाया जा चुका है, लेकिन आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमे अब तक समाप्त नहीं किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों द्वारा जांच पूरी होने के बाद कार्रवाई का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द मुकदमे वापस नहीं लिए गए तो गांव में दोबारा धरना-प्रदर्शन और आंदोलन शुरू होने की संभावना है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार की भिड़ंत में क्षतिग्रस्त हुई कार, कोई हताहत नही

पूरनपुर (पीलीभीत)। ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार की भिड़ंत में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। फिलहाल इस हादसें में किसी के हताहत होने की जानकारी नही मिली है। स्थानीय लोगों ने क्षतिग्रस्त कार को सड़क किनारे करवा दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ट्रैक्टर ट्राली चालक की तलाश कर रही है। तहसील कलीनगर क्षेत्र के चित्तरपुर स्थित हरदोई ब्रांच नहर पुल के पास गुरुवार को ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार के बीच भीषण भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि कार सवार सभी लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही संधू फार्मर सोसाइटी के उपाध्यक्ष केपी संधू मौके पर पहुंच गए और घटना की जानकारी ली।

'गूजर गैंग' बताकर युवकों ने मोबाइल दुकान पर तीन को पीटा, मुकदमा दर्ज

.....मोहनलालगंज में मोबाइल बनवाने पहुंचे युवक पर हमला, दो साथियों से भी मारपीट; नामजद समेत अन्य अज्ञात पर केस, जांच शुरू।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, संवाददाता। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र में खुद को 'गूजर गैंग' का सदस्य बताने वाले युवकों द्वारा एक युवक और उसके दो साथियों की बेरहमी से पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की मां की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद समेत अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगराम थाना क्षेत्र के देवती मजरा साधुखेड़ा निवासी रीता ने पुलिस को बताया

क्राइम

कि उनका पुत्र विकास गुरुवार शाम मजदूरी कर घर लौटते समय हुलासखेड़ा के पचौरी गांव स्थित एक मोबाइल दुकान पर मोबाइल बनवाने के लिए रुका था। आरोप है कि इसी दौरान पचौरी गांव निवासी राज, कुलदीप और उनके अन्य साथी वहां पहुंचे और खुद को 'गूजर गैंग' का सदस्य बताते हुए विकास से गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने विकास का सिर दीवार से भिड़ा दिया और लात-घूंसों से जमकर मारपीट की। जमीन पर गिरने के बाद भी उसकी पिटाई की गई तथा जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार हो गए। घटना में विकास के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके साथी शिवम और नीर कमल को भी आरोपियों ने पीट दिया। पीड़िता की तहरीर पर मोहनलालगंज पुलिस ने राज, कुलदीप समेत अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जैड ए की जमीन पर कब्ज़ाने के मामले में नामजद सात आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। जैड ए की जमीन पर कब्जा करने के मामले में सात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। वर्तमान में अपराध एवं अवैध कब्जे पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में सभी नामजद सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। थाना हजारा पुलिस ने जैड ए की भूमि पर अवैध कब्जा करने के मामले में दर्ज मुकदमे में नामजद सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई जनपद में अपराध एवं अवैध कब्जों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के

तहत की गई। जिसमें थानाध्यक्ष शरद यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 30 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर ग्राम कमलापुरी कॉलोनी, थाना सम्पूर्णानगर, जनपद लखीमपुर खीरी में दबिश देकर आरोपियों को उनके घरों से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में वाकिर पुत्र रामाशंकर, धनेश पुत्र ऋषिदेव, मंगरु पुत्र नेमधर, प्रहलाद पुत्र ऋषिदेव, रमेश पुत्र ऋषिदेव, मुन्ना लाल पुत्र प्रहलाद तथा बदरी पुत्र रामदरेश शामिल हैं। सभी आरोपी कमलापुरी कॉलोनी के निवासी बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों के विरुद्ध थाना हजारा में नामजद मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों को पुलिस हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी की गई तथा न्यायालय में पेश किया गया। थानाध्यक्ष शरद यादव ने बताया कि जनपद में सरकारी एवं सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों तथा कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

प्रयागराज में 1 अगस्त को होगी अल्पसंख्यक विभाग की मंडलीय समीक्षा बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। आगामी 1 अगस्त 2026को सायं 7:00 बजे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सोहेल अख्तर अंसारी के प्रयागराज आगमन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। अल्पसंख्यक कांग्रेस की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं यू ,पी , प्रभारी रूबी खान के निर्देश पर कार्यक्रम की तैयारियों के सिलसिले में आज अल्पसंख्यक विभाग के जिला प्रभारी मुन्ताज़ सिद्दीकी साहब प्रयागराज पहुंचे और पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर शहर अध्यछ अरशद अली ने कहा कि 1 अगस्त को आयोजित होने वाला कार्यक्रम अल्पसंख्यक विभाग के पुनर्गठन हेतु मंडलीय समीक्षा बैठक है।** उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने का आह्वान किया। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यछ फूजैल हाशमी एवं) जिला प्रवक्ता हसीब अहमद ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि प्रदेश अध्यक्ष सोहेल अख्तर अंसारी का प्रयागराज आगमन संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि मंडलीय समीक्षा बैठक के माध्यम से संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण चर्चा होगी तथा सभी कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। बैठक में अल्पसंख्यक कांग्रेस के जमुना पार अध्यछ, शहजादुल् हक, मो हसीन,आबदी इलाहाबादी, ग़ज़ली खान,मो फिरोज,शकील अहमद, इस्तीयक अहमद, महफूज अहमद, तालिब अहमद, ज़ाहिद नेता, मो सरताज, शाहीन बेगम,अफरीन रिज़वी, दरक्शा क़ुरैशी रुबिन बेगम,मो शकूर, मो अल्तमस, सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने का संकल्प लिया।

गला दबाकर हत्या की कोशिश का आरोप, महिला से मारपीट

.....कहारन टोला की घटना, पांच नामजद आरोपियों पर मुकदमा; बेटी से अभद्रता का भी आरोप।

क्राइम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, संवाददाता। मोहनलालगंज कस्बे के कहारन टोला में एक महिला के साथ मारपीट कर गला दबाकर हत्या की कोशिश किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कहारन टोला निवासी रामा देवी पत्नी रमेश ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनके घर के पास रहने वाले कुलदीप, वैष्णवी, रंजीत, वैभव तथा उनकी मां ने गाली-गलौज करते हुए उन पर हमला कर दिया और मारपीट की। पीड़िता का आरोप है कि किसी तरह आरोपियों के चंगुल से छूटकर वह कोतवाली पहुंचीं और पुलिस को घटना की जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की। रामा देवी का कहना है कि यदि वह मौके से भागकर अपनी जान न बचातीं तो आरोपी उनका गला दबाकर हत्या कर देते। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उनकी बेटी के साथ भी अभद्रता की, गाली-गलौज की और मारपीट की। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामले को लेकर क्या बोले एसीपी
एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच कराई जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जबरौली मोड़ पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार गंभीर, ट्रॉमा सेंटर रेफर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दुर्घटना/हादसा

मोहनलालगंज। रायबरेली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जबरौली मोड़ के पास शुक्रवार दोपहर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत देखते हुए पीजीआई ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस के मुताबिक करीब 25 वर्षीय अज्ञात युवक बाइक संख्या क्र 71 ब्रह्म 1987 से रायबरेली की ओर से लखनऊ जा रहा था। जब वह जबरौली मोड़ स्थित ज़ेब्रा क्रॉसिंग के सामने पहुंचा, तभी पीछे से आए किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक होने पर पीजीआई ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि दुर्घटना करने वाले अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। घायल की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।